



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 82]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 30, 2005/चैत्र 9, 1927

No. 82]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 30, 2005/CHAITRA 9, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 मार्च, 2005

प्रारंभिक जांच परिणाम

**विषय:** यूरोपीय संघ (जर्मनी से इतर), मैक्सिको तथा ब्राजील से एक्रीलोनिट्राइल बुटाडीन रबड़ (एनबीआर) के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच ।

सं० 14/32/2003-डीजीएडी- वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान तथा उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए:

2. जबकि मै० अपार इण्डस्ट्रीज लि० (जिसे इसके बाद आवेदक कहा गया है) ने, वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान तथा उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद नियमावली कहा गया है) के अनुसार, यूरोपीय संघ (जर्मनी से इतर), ब्राजील तथा मैक्सिको (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश/क्षेत्र कहा जाएगा) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एक्रीलोनिट्राइट बुटाडीन रबड़ अथवा एनबीआर (जिसे इसके बाद संबद्ध उत्पाद कहा जाएगा) के पाटन का आरोप लगाते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) के समक्ष एक प्रार्थना-पत्र दायर किया और अनुरोध किया कि संबद्ध माल पर पाटनरोधी शुल्क की लेवी हेतु पाटनरोधी जांच की जाए ।
3. और जबकि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से याचिकाकर्ता -मै० अपार इण्डस्ट्रीज द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर भारत के राजपत्र, असाधारण में

प्रकाशित दिनांक 17 अगस्त, 2004 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसके अनुसार उक्त नियमावली के उप-नियम 5(5) के अनुसार, संबद्ध देशों/क्षेत्रों से निर्यातित के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध माल के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच आरंभ की गई जिससे तथाकथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा तथा इसके प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की राशि, यदि उगाही जाए तो क्या वह घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने हेतु पर्याप्त रहेगी, की सिफारिश की जा सके।

#### क. प्रक्रिया

- (4) प्राधिकारी द्वारा उपरोक्त जांच-प्रारंभ के बारे में अधिसूचित करते हुए सार्वजनिक सूचना जारी किए जाने के बाद इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है:
  - i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों/क्षेत्रों के दूतावासों/प्रतिनिधियों, आयातकों तथा उपलब्ध सूची के अनुसार घरेलू उद्योग को दिनांक 17 अगस्त, 2004 की जांच-प्रारंभ अधिसूचना की प्रतिलिपियां भेजीं और उनसे अनुरोध किया कि जांच-प्रारंभ संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर वे अपने-अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करें।
  - ii) घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका के अगोपनीय अंश की प्रतियां नियम 6(3) के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों और दूतावासों/उच्चायोगों को उपलब्ध करायी गयी।
  - iii) संबद्ध देशों के नई दिल्ली स्थित दूतावासों/उच्चायोगों/प्रतिनिधियों को नियम 6(2) के अनुसार जांच-प्रारंभ के बारे में सूचित किया गया और अनुरोध किया गया कि वे अपने-अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दी कि वे निर्धारित समयावधि के भीतर प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दे दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका तथा प्रश्नावली की एक-एक प्रति ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची के साथ-साथ संबद्ध देशों के दूतावासों/उच्चायोगों को भी भेजीं।
  - iv) प्राधिकारी ने संगत जानकारी मंगाने हेतु संबद्ध देशों के निम्नांकित ज्ञात निर्यातकों को नियम 6(4) के अनुसार, प्रश्नावली भेजी:-

1. जिओन केमिकल्स यूरोप लिमिटेड (जेडसीई)  
हायेस रोड, सुली  
वाले ऑफ ग्लेमरगन, सीएफ 64 5वाईयू,  
यूनाइटेड किंगडम
2. बायर इलास्टमियर्स  
बीपी 41, एफ-76610 ला वांटेजेन्यू  
फ्रांस
3. एलिकोम  
14, एवी डे कार्टेबुउफ 2,  
91955, लेस उलिस सेडेक्स, फ्रांस
4. एनिकेम एस पी ए (ईएन)  
इलास्टोमर्स एंड स्ट्राइरेनिक्स डिविजन  
प्लाजा बोल्डरिनि, 1  
200097, सान डोनाटो मिलांनीज  
इटली
5. बायर रबड़ बेल्जियम एन.वी. (बीआरडी)  
कनाडास्ट्राट 21,  
बी-2070, ज्विजंड्रेक्ट  
बेल्जियम
6. डीएसएम कॉपीपालिमर इन्स. (डीएसएमसी)  
पोस्टबस 43, 6130 एए,  
सिटार्ड  
नीदरलैंड्स
7. नाइट्रीफ्लेक्स एस.ए. इंडस्ट्रिया इ कमर्शियो (एनएक्स)  
रूआ मारुम्बी एस/एन  
कम्पोस एलिसिओस, डुक्यू डे,  
कैक्सियास-आरजे-ब्राजील, सीई-25-240-260

8. पेट्रोफ्लेक्स इंडस्ट्रिया इ कमर्शियो एस.ए. (पीएक्स)  
रुआ मारुम्बी 600  
कम्पोस एलिसियोस  
डुक्यू डे काक्सियास-आरजे-25221-000  
ब्राजील

9. पाराटेक इलास्टीमर्स एलएलसी (पारा)  
बेंसन रोड, मिडलबरी, सीटी 06749;  
मेक्सिको

10. इंडस्ट्रियास नेग्रोमेक्स एस.ए. डी सी.वी. (एन)  
बास्क डी सिरेलोस 180 3इर पिसो  
बास्क डी लास लोमास, मेक्सिको

v) उपरोक्त अधिसूचना के प्रत्युत्तर में संबद्ध देशों/क्षेत्रों के निम्नलिखित निर्गतकों को अपना-अपना प्रश्नावली-उत्तर दर्ज कराए:-

- क) मै0 निट्रिफ्लेक्स, ब्राजील
- ख) मै0 पेट्रोफ्लेक्स, ब्राजील
- ग) मै0 लानसेस इलास्टिमियर एजी, जर्मनी

vi) भारत में संबद्ध माल के ज्ञात आयातकों तथा उपभोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गईं ताकि नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक जानकारी मंगाई जा सके। किन्तु जांच के दौरान केवल आल इण्डिया फ़ैडरेशन ऑफ़ रबड़ फुटवियर मैनुफ़ैक्चरर्स और आल इंडिया रबड़ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, एसोसिएशन ऑफ़ बुटाडीन एंड स्टाइरीन बेस्ड इंडस्ट्रीज, मै0 सेबोक इंटरनेशनल और मै0 गेट्स इंडिया प्रा0 लि0 ने ही संक्षिप्त टिप्पणियां दायर की हैं। उनकी इन टिप्पणियों पर, जहां तक वे इस मामले में संगत हैं, इस जांच-परिणाम में विचार किया गया है।

vii) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएण्डएस) और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से अनुरोध किया गया कि

वे जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के लिए संबद्ध माल के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराएं।

- viii) प्राधिकारी ने विभिन्न इच्छुक पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश को सावजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया और उसे इच्छुक पक्षकारों को निरीक्षण हेतु खुला रखा।
- ix) सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत जानकारी पर आधारित भारत में संबद्ध माल की अनुकूल उत्पादन-लागत, और विनिर्माण एवं बिक्री-लागत की गणना की गई जिससे यह पता लगाया जा सके कि यदि पाटन से कम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो क्या वह घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने हेतु पर्याप्त रहेगा।
- x) प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु, जहां तक संभव हो सका, सहयोगकारी निर्यातकों के आंकड़ों की पड़ताल की।
- xi) इस अधिसूचना में \*\*\*\* पर व्यक्त जानकारी याचिकाकर्ता द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत जानकारी को व्यक्त करती है और प्राधिकारी द्वारा उक्त नियमावली के तहत उसी पर विचार किया गया है।
- xii) जांच दिनांक 1.4.2003 से 31.3.2004 तक की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई।

#### ग. विचाराधीन उत्पाद

5. मौजूदा जांच में विचाराधीन उत्पाद एक्रीलोनिट्राइट बुटाडीन रबड़ है। एक्रीलोनिट्राइट बुटाडीन रबड़ एक संश्लिष्ट रबड़ है और यह बाजार-शब्दावली में निट्राइल रबड़ अथवा एनबीआर के रूप में लोकप्रिय है। एनबीआर का मूल रूप से प्रयोग वहां होता है जहां तेल प्रतिरोधन, घिसाई प्रतिरोधन और ऊष्मा प्रतिरोधन उपयोग शामिल होता है। एनबीआर का प्रयोग रक्षा, आटोमोबाइल, फुटवियर, फैब्रिक, प्रिंटेर्स, तेल-क्षेत्र उत्पाद उद्योगों में व्यापक रूप से होता है।
6. एनबीआर के कई ग्रेड हो सकते हैं और उनकी विभिन्न स्वरूपों में सप्लाई हो सकती है। स्वरूपों की दृष्टि से, एलबीआर का सामान्य एनबीआर (गांठ रूप में)

1052 GI/05-2

पाउडर एनबीआर (पाउडर रूप में) और कार्बोजिलेटेड एनबीआर (अर्थात् किसी तीसरे मोनोमर के साथ) में श्रेणीकरण किया जा सकता है। एक्रीलोनिट्राइल अंश तथा मूनी विस्कोसिटी होने पर सामान्य एनबीआर को और आगे तीन किस्मों अर्थात् न्यून निट्राइल, मध्य निट्राइल तथा उच्च निट्राइल एनबीआर में विभाजित किया जा सकता है।

7. इस जांच में केवल गांठ रूप में एनबीआर के सभी ग्रेडों को कवर किया गया है। अतः संबद्ध देशों से निर्यातित एनबीआर के अन्य रूपों को विचाराधीन उत्पाद के तहत कवर नहीं किया गया है। इच्छुक पक्षकारों ने यह शंका उठाई कि क्या विचाराधीन उत्पाद में कार्बोजिलेटेड एनबीआर भी शामिल है जिसका विनिर्माण गांठ रूप में होता है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मौजूदा जांच में केवल सामान्य एनबीआर को गांठ रूप में शामिल किया गया है जिसमें पाउडर एनबीआर और कार्बोजिलेटेड एनबीआर शामिल नहीं है। घरेलू उद्योग ने भी जांच में कवर किए गए विचाराधीन उत्पाद के रूप में इसकी पुष्टि की है।
8. एक्रीलीनिट्राइल बुटाडीन रबड़ (एनबीआर) का रबड़ की श्रेणी में और उसकी वस्तुओं में वर्गीकरण सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 40 और चार-अंकीय उपशीर्ष सं० 40.02 तथा छः-अंकीय उपशीर्ष 4002.59 के तहत सिंथेटिक रबड़ की श्रेणी के अन्तर्गत आईटीसी-एचएस वर्गीकरण में किया गया है। हालांकि उपर्युक्त शीर्ष एनबीआर के लिए आबंटित शीर्ष है, अतः प्राधिकारी नोट करता है कि एनबीआर का आयात अन्य शीर्षों के तहत बताया गया है जिसमें एनबीआर को केवल सिंथेटिक रबड़ के रूप में वर्णित किया गया है। अतः सीमाशुल्क तथा आईटीसी-एचएस वर्गीकरण मात्र संकेतात्मक हैं और उनका मौजूदा जांच के दायरे पर किसी प्रकार कोई संबंध नहीं है।

#### ग.1 समान उत्पाद

9. करार के अनुच्छेद 2.6 के अनुसार, शब्द "समान उत्पाद" ("प्रोड्युट सिमिलेयर") की व्याख्या ऐसे उत्पाद के आशय के लिए की जाएगी जो विचाराधीन उत्पाद के समरूप अर्थात् हर तरह से समान हो, अथवा ऐसे उत्पाद के अभाव में दूसरा वह उत्पाद जो हालांकि हर तरह से समान नहीं है, लेकिन उसकी विशेषताएं विचाराधीन उत्पाद से बिल्कुल मिलती-जुलती हों। सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ ब्राजील के निर्यातकों ने अपने घरेलू बाजार में बेचे गए और भारत को

निर्यातित अपने संबंधित ग्रेडों का संकेत दिया है। चूंकि सहयोगकारी निर्यातकों के पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ भारत को निर्यातित ग्रेडों की तुलना में घरेलू बाजार में समरूप ग्रेड उपलब्ध है, अतः प्राधिकारी ने वहां के घरेलू बाजार में बेचे गए और भारत को निर्यातित समरूप उत्पादों को समान उत्पाद के रूप में मान लिया है और सामान्य मूल्य की गणना केवल इन्हीं ग्रेडों के आधार पर की गई है।

10. जहां तक ब्राजील, मैक्सिको तथा यूरोपीय संघ के अन्य सभी निर्यातकों का संबंध है, घरेलू बाजार में विनिर्मित तथा बेचे गए ग्रेडों के ब्यौरों के अभाव में प्राधिकारी नोट करता है कि एनबीआर के विभिन्न ग्रेडों का उत्पादन समान सामान्य कच्चे माल से ही किया जाता है, उसमें समान आधारित उत्पादन-प्रौद्योगिकी लगायी जाती है और समान उत्पादन-प्रक्रिया अपनायी जाती है। एनबीआर की विभिन्न किस्मों को समान सामान्य प्रयोजन अर्थात् पेट्रोलियम रसायनों के प्रतिरोधन देने के लिए उपयोग किया जाता है।
11. आवेदक ने यह भी कहा है कि वे संबद्ध देशों से इस समय आयात हो रहे बराबर के/तुलनीय सभी ग्रेडों का उत्पादन करते हैं। भारतीय उद्योग के पास उन सभी ग्रेडों के बराबर वाले ग्रेडों का उत्पादन करने की क्षमता एवं सामर्थ्य है जिनका उत्पादन संबद्ध देशों के उत्पादक कर रहे हैं, हालांकि उनमें से कुछ का निर्यात इस समय भारत को नहीं किया जा रहा है।
12. अतः, ऐसा प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पादों और संबद्ध देशों/क्षेत्रों से आयातित उत्पादों में कोई अंतर नहीं है। इन उत्पादों का आयात प्रयोक्ता उद्योगों द्वारा और अन्य उद्योगों को सप्लाई के लिए व्यापारियों द्वारा प्रत्यक्ष रूप से किया जा रहा है। उपभोक्ता घरेलू तथा तदनुगामी आयातित उत्पादों का प्रयोग अन्तःपरिवर्तनीय रूप से कर रहे हैं। चूंकि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद और संबद्ध देशों/क्षेत्रों से आयातित उत्पाद सभी आवश्यक विशेषताओं की दृष्टि से समरूप हैं, अतः नियमावली के अनुसार इस शब्द के आशय के भीतर उन्हें समान वस्तु माना जाता है।
13. प्राधिकारी ने निर्यातक देशों में सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमतों के निर्धारण के प्रयोजनार्थ और शुल्क लगाए जाने के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के निर्धारण के संबंध में इच्छुक पक्षकारों के तर्कों को नोट किया है और

उसका निर्णय है कि सामान्य मूल्य तथा पाटन मार्जिन का निर्धारण उन निर्यातकों के संबंध में ग्रेड-वार किया जाएगा जिन्होंने भारत और पाटन मार्जिन साबित हो जाने से पहले ग्रेड आधार पर अपने-अपने आंकड़े प्रस्तुत किए हैं।

#### घ. घरेलू उद्योग की स्थिति तथा जांच का प्रारंभ

14. उक्त याचिका मै0 अपार इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुंबई द्वारा दायर की गई है जोकि भारत में संबद्ध माल का एकमात्र उत्पादक है। अतः इस याचिकाकर्ता का भारत में संबद्ध माल के उत्पादन में संपूर्ण हिस्सा है और वही भारतीय पाटनरोधी नियमावली के आशय के भीतर घरेलू उद्योग का दर्जा पाते हैं। इस संबंध में अन्य इच्छुक पक्षकारों ने कोई तर्क नहीं उठाया है।

#### ड. न्यूनतम सीमा

15. अनेक यूरोपीय संघ के सदस्य देशों से आयात हुआ बताया गया है। किंतु, इस जांच के प्रयोजनार्थ यूरोपीय संघ को एकल सीमा-शुल्क क्षेत्र के रूप में मान लिया गया है। प्राधिकारी द्वारा वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) तथा अन्य स्रोतों से प्राप्त आयात आंकड़ों के अनुसार, संयुक्त राज्य अमरीका, यूरोपीय संघ, चीन तथा ताइवान से अलग-अलग उत्पादों के आयात न्यूनतम सीमा से अधिक रहे हैं।
16. किंतु, मेक्सिको सरकार ने निवेदन किया है कि उनके निर्यात आंकड़ों के अनुसार मेक्सिको से भारत को जांच-अवधि के दौरान संबद्ध माल का कोई निर्यात नहीं हुआ है। किंतु, प्राधिकारी नोट करता है कि घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका में उपलब्ध जानकारी यह इंगित करती है कि मेक्सिको में कम से कम दो उत्पादक हैं अर्थात् मै0 पैराटेक एलएलसी और मै0 इंडस्ट्रियाज नेग्रोमैक्स एसए। मै0 पैराटेक के कारोबार में दो कंपनियां शामिल हैं - एक कंपनी - पैराटेक एसए डी सी वी नामक मेक्सिको में निगमित कंपनी जो अपने साझेदार यूनिरोयल केमिकल से प्राप्त प्रौद्योगिकी से विनिर्माण कर रही है जिसकी संयंत्र सुविधाएं आल्टामीरा, तमोलीपस में स्थित हैं जिसकी एनबीआर के लिए दर क्षमता 40,000 मी.टन है और दूसरी कंपनी संयुक्त राज्य में निगमित पैराटेक इलास्टोमर्स, एलएलसी है जो यूसीसी के कवरेज में विश्वव्यापी बिक्रियों तथा वितरण बल वाले पैराक्रिल नामक ट्रेड मार्क के तहत अपने उत्पादों का विश्वव्यापी विपणन कर रही है।



याचिकाकर्ता ने कुछ ऐसे बीजक भी प्रस्तुत किए हैं जिनमें लदान-पत्तन मैक्सिकन बंदरगाह इंगित होता है हालांकि ये बीजक निर्यातक द्वारा लॉस एंजलिस से लिए गए हैं। प्राधिकारी के पास उपलब्ध आयात आंकड़ों के अनुसार मेक्सिको ने भारत को जांच-अवधि के दौरान विभिन्न ग्रेडों के 207 मी.टन एनबीआर का निर्यात किया है।

## च. अन्य निवेदन तथा उठाए गए मुद्दे

### च.1 घरेलू उद्योग

17. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया था कि एनबीआर के आयात सीमा-शुल्क के विभिन्न शीर्षों के तहत बताए गए हैं और एनबीआर को डीजीसीआईएंडएस के सौदे-वार आंकड़ों से अलग करना कठिन है क्योंकि तथ्य यह है कि डीजीसीआईएस के आंकड़ों में इस उत्पाद का पूरा विवरण परिलक्षित नहीं होता है। अतः उन्होंने संगत अवधि के लिए प्लास्टिक एंड पोलीमर रिव्यू (पीपीआर) में प्रकाशित आयात आंकड़ों पर ही विश्वास किया है। प्राधिकारी ने जहां तक संभव हुआ, असंबद्ध उत्पादों के बारे में डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों को अलग करते हुए पीपीआर द्वारा प्रकाशित आयात आंकड़ों और डीजीसीआईएंडएस के सौदा-स्तर आंकड़ों की जांच की है।
18. किंतु ऊपर उल्लिखित विवरण तथा वर्गीकरण समस्या की वजह से इन दोनों स्रोतों के आंकड़ों में काफी अंतर दिखाई देता है। इसके अलावा, प्राधिकारी नोट करता है कि डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों में कोरिया के विरुद्ध एक समानांतर पाटनरोधी समीक्षा जांच में वहां के सहयोगकारी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत निर्यात आंकड़ों की तुलना में अपेक्षतया कम आयात परिलक्षित होते हैं। यह भी नोट किया जाता है कि पीपीआर सभी पतनों के जरिए होने वाले आयात की रिपोर्ट प्रकाशित नहीं करता है। अतः प्राधिकारी ने उपर्युक्त आंकड़ा-विसंगतियों को नोट कर लिया है और उसे अपने पास उपलब्ध आंकड़ों के डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों को अंगीकार किया है।

### च.2 मै0 पेट्रोफ्लेक्स, ब्राजील

19. ब्राजील के एक सहयोगकारी निर्यात - मै0 पेट्रोफ्लेक्स ने अपने प्रारंभिक निवेदनों में घरेलू उद्योग द्वारा अगोपनीय प्रकटन के स्तर पर टिप्पणी की और तर्क दिया

1052 GT/05-3

कि संगत आंकड़ों तथा सामग्री के समुचित प्रकटन के अभाव में पहली बार में कोई जांच नहीं होनी चाहिए थी। उन्होंने आगे यह भी तर्क दिया कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने गलती से याचिकाकर्ता के आंकड़ों पर विश्वास किया है जिन्हें डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर विश्वास करने की बजाए संबद्ध माल के निर्यात संबंधी जानकारी के लिए गौण स्रोत अर्थात् पॉलीमर्स, प्लास्टिक्स एंड रबड़ ट्रेड इंटेलीजेंस(पीपीआर) से लिया गया है। उन्होंने आगे यह भी तर्क दिया कि पाटनरोधी कार्यवाही आवश्यक रूप से एक उपचारात्मक उपाय होता है लेकिन याचिकाकर्ता ने पाटनरोधी कार्यवाही का प्रयोग केवल अपने एकाधिकार को साबित करने के लिए किया है। उन्होंने तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है और याचिकाकर्ता ने "चालाकी पूर्वक क्षति" मानकर इसका सहारा लिया है जो कोई जांच करने के लिए है ही नहीं।

20. उन्होंने आगे यह भी तर्क दिया कि भारतीय बाजार में बिक्री के लिए निर्यातित संबद्ध माल की बिक्री के लिए और कमीशनयुक्त एजेंटों की मार्फत पूर्ण रूप से भारतीय बाजार में बेचे गए माल के संबंध में पेट्रोफ्लेक्स द्वारा बिक्री चैनल तथा वितरण प्रक्रिया अपनाई गई है। इसका अर्थ यह होता है कि भारत में बिक्री के लिए संबद्ध माल की अंतिम कीमत का निर्णय अथवा नियंत्रण पेट्रोफ्लेक्स द्वारा नहीं होता है।

### च.3 मै0 निट्रिफ्लेक्स, ब्राजील

21. ब्राजील के एक अन्य सहयोगकारी निर्यातक मै0 निट्रिफ्लेक्स ने अपने प्रारंभिक निवेदनों में तर्क दिया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने आयात मात्रा, उत्पादन, बिक्री संबंधी जानकारी संबंधी मुद्दों पर याचिका में प्रस्तुत स्पष्ट रूप से गलत आंकड़ों के आधार पर जांच आरंभ करके गलती की है। उन्होंने तर्क दिया कि याचिका में प्रस्तुत आंकड़े कोरिया जनगण तथा जर्मनी से एनबीआर के पाटन से संबंधित अंतिम जांच में प्राधिकारी द्वारा सत्यापित आंकड़ों के विपरीत हैं। उन्होंने आगे यह भी तर्क दिया कि अगोपनीय अंश में सामान्य मूल्य की गणना से संबंधित साक्ष्य अपूर्ण हैं और याचिकाकर्ता ब्राजील से संबद्ध माल के आयात के पाटन संबंधी दोषारोपण की पड़ताल करने और उस पर टिप्पणी करने में असमर्थ है। उन्होंने यह भी निवेदन किया है कि ब्राजील में सामान्य मूल्य की गणना संबंधी पद्धति का खुलासा याचिकाकर्ता द्वारा दूसरे पक्ष को नहीं किया गया है ताकि याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दोषारोपण का प्रतिरोध नहीं किया जा सके। अतः याचिकाकर्ता ने

सामान्य मूल्य के निर्धारण में विश्वस्त जानकारी के अगोपनीय सारांशों को प्रदान करने संबंधी मात्र न्यूनतम अपेक्षा को भी पूरा नहीं किया है और इस प्रकार उन्होंने इस जांच में निट्रिफ्लेक्स को अपना पक्ष कायम रखने के अधिकार पर बड़ी बाधा डाली है।

#### च.4 मै0 लैंगसेस इलास्टोमियर

22. मै0 लैंगसेस इलास्टोमियर एजी ही यूरोपीय संघ में एकमात्र निर्यातक हैं जिन्होंने इस जांच में आंशिक सहयोग किया है और प्रश्नावली का आंशिक प्रत्युत्तर दर्ज कराया है। अपने प्रारंभिक निवेदनों में उन्होंने तर्क दिया है कि इस याचिकाकर्ता ने निर्यात कीमत के निर्धारण में प्रयुक्त सामान्य मूल्य तथा खर्चों के ब्यौरे गोपनीय रखे हैं। ये ऐसे ब्यौरे होते हैं जिन्हें गोपनीय नहीं रखा जाना चाहिए था। उन्होंने तर्क दिया है कि प्राधिकारी के प्रारंभिक जांच परिणाम इन आंकड़ों का खुलासा कर दिए जाने के बाद ही जारी किए जाने चाहिए।
23. उन्होंने आगे यह भी तर्क दिया कि फ्रांस में उनकी सुविधा \*\*\*\*\* मी.टन क्षमता की है जो केवल एनबीआर (अन्य पॉलीमर्स को छोड़कर) को समर्पित है जबकि भारत को होने वाले निर्यात लगभग \*\*\*\*\* मी.टन हैं। अतः उन्होंने तर्क दिया है कि यह सुझाव देना भी अनुचित है कि लैंगसेस अपने समूचे व्यापार को पुनर्संरचित करेगा और अपना उत्पादन जर्मनी से फ्रांस अपने व्यापार के इतने छोटे भाग की सेवा आशय के लिए स्थानांतरित करेगा। फ्रांस में स्थित उनके संयंत्र से एनबीआर के उत्पादन की शुरुआत और जर्मनी में एनबीआर के लिए उत्पादन सुविधाओं के समापन वर्ष 2002 में निगम पुनर्संरचना तथा युक्तिकरण का प्रयोग करने के एक भाग के रूप में प्रभावी हुआ और 1997 में पिछली एनबीआर कार्यवाही में पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से उसका कोई सरोकार नहीं है।
24. संयुक्त राज्य अमरीका में उनके विरुद्ध पाटनरोधी कार्यवाही के दोषारोपण के संबंध में इस निर्यातक ने निवेदन किया है कि इस तथ्य से कतिपय अनुमान लेना गलत है कि बॉयर ने एनबीआर के कीमत निर्धारण के संबंध में संयुक्त राज्य अमरीका में कतिपय कार्यवाहियों में जुर्मानों का भुगतान किया था और उन्होंने यह कहने का प्रयास किया कि संयुक्त राज्य अमरीका में ऊंची कीमत का आशय भारत में पाटन कीमतों को समाप्त कर देना था। उन्होंने निवेदन किया कि

संयुक्त राज्य अमरीका संबंधी कार्यवाही का संबंध पाटन के किसी मुद्दे से किसी भी तरह से नहीं है जो यह साबित कर दे कि बॉयर पाटन के किसी प्रणालीबद्ध पैटर्न का अनुपालन कर रहा था ।

25. उन्होंने आगे यह भी तर्क दिया है कि इस याचिकाकर्ता ने भी जांच में शामिल उत्पाद का निर्यात किया । इस संबंध में अथवा उन कीमतों के संबंध में कोई ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए गए हैं जिन पर यह माल बेचा गया है ।
26. जांच में अपने आंशिक सहयोग के संबंध में इस निर्यातक ने निवेदन किया है कि याचिका में अप्रत्यक्ष गुणावगुण के अभाव को देखते हुए और क्षति अथवा कारणात्मक संबंध का आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत करने में अपनी असफलता को देखते हुए यह याचिका यह इंकार करते समय कि उनके द्वारा प्रस्तुत जानकारी अपूर्ण है, मानते हुए सारांशतः रद्द की जानी चाहिए ।
27. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमतों के निर्धारण के संबंध में निर्यातकों द्वारा किए गए निवेदनों और गोपनीयता संबंधी टिप्पणियों को नोट किया है ।

#### छ. पाटन मार्जिन का निर्धारण

28. प्राधिकारी नोट करता है कि ब्राजील के केवल दो निर्यातकों ने इस जांच में पूर्णरूप से सहयोग किया है और उन्होंने प्रश्नावली के पूरे प्रत्युत्तर प्रस्तुत किए हैं जिनकी प्राधिकारी द्वारा विधिवत् पड़ताल की गई है । यूरोपीय संघ के केवल एक निर्यातक अर्थात् मै0 लैंगसेस एजी ने अपना आंशिक प्रत्युत्तर दर्ज कराया है । अपना संपूर्ण प्रत्युत्तर दर्ज कराने की सलाह देने के संबंध में प्राधिकारी के पत्रादि के प्रत्युत्तर में इस निर्यातक ने भारत को किए गए अपने निर्यातों के संबंध में पाटन मार्जिन, यदि कोई है, के आकलन हेतु अपनी घरेलू बिक्री कीमत तथा उत्पादन लागत के संबंध में कोई लाभप्रद जानकारी प्रस्तुत नहीं की है । इन देशों के किसी अन्य निर्यातक ने इस उत्पाद के संबंध में जांच किए जाने के प्रति कोई प्रत्युत्तर दर्ज नहीं कराया है । प्रारंभिक निष्कर्षों के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की जांच की है, जोक निम्नानुसार है:

## छ.1 ब्राजील

29. प्राधिकारी को ब्राजील के दो विनिर्माता - निर्यातकों से पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ है और उनके संबंधित आंकड़ों की जांच भी की गई है। उनके निवेदनों और सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत संबंधी उनके आंकड़ों के आधार पर ब्राजील के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:-

### छ.1.1 मै0 निट्रिफ्लेक्स, ब्राजील

30. मै0 निट्रिफ्लेक्स, ब्राजील ने इस जांच का एक विस्तृति प्रश्नावली प्रत्युत्तर दर्ज कराया है और उनके प्रत्युत्तर तथा उसमें पाई गई त्रुटियों के आधार पर कतिपय अतिरिक्त जानकारी भी मंगाई गई। प्राधिकारी ने यह निर्यातक के प्रश्नावली प्रत्युत्तर और उसमें प्रस्तुत आंकड़ों की पड़ताल की। इस निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर प्राधिकारी ने उसके संबंध में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन का निम्नानुसार गणना की है:-

### क) सामान्य मूल्य

31. मैसर्स निट्रिफ्लेक्स गांठ रूप में सामान्य एनबीआर सहित एनबीआर के अनेक ग्रेडों का उत्पादन करता है। इस निर्यातक की विभिन्न ग्रेडों को कवर करते हुए अपने घरेलू बाजार में विचाराधीन उत्पाद की काफी पैमाने पर घरेलू बिक्रियां होती हैं। किंतु जांच अवधि के दौरान एनबीआर के केवल दो ग्रेडों अर्थात् एन-608 और एन-615 बी का भारत को निर्यात किया गया है। यह निर्यातक एनबीआर के इन दोनों ग्रेडों की अपने घरेलू बाजार में पर्याप्त बिक्री करता है। अतः सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ इन दोनों ग्रेडों को विचाराधीन उत्पाद के समान उत्पाद के रूप में मान लिया गया है और व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में बेचे गए इन दोनों ग्रेडों की घरेलू बिक्री कीमत की जांच की गई है। इस निर्यातक ने घरेलू करों, अन्तर्देशीय परिवहन तथा बीमा, कमीशन तथा ऋण आधार पर की गई बिक्रियों पर ब्याज लागतों के कारण सकल बिक्री मात्राओं में विभिन्न समायोजनों का दावा किया है। इन समायोजनों का सत्यापन निर्यातक के रिकॉर्ड से कर दिया गया है और उन्हें निर्यात के देश में समान वस्तु के निवल कारखानागत

सामान्य मूल्य के निर्णयन हेतु स्वीकार कर लिया गया है। तदनुसार, इस निर्यातक के संबंध में सामान्य मूल्य का हिसाब निम्नानुसार लगाया गया है:-

ग्रेड	शुद्ध घरेलू मूल्य US\$/ मी.टन	समायोजन US\$/ मी.टन	सामान्य मूल्य US\$/ मी.टन
एन-608	*****	*****	*****
एन-615 बी	*****	*****	*****

ख) निर्यात कीमत

32. एनबीआर के उक्त दोनों ग्रेडों के सत्यापित निर्यात बिक्री सौदों में शुल्क तथा स्थानीय लेवियों, अंतर्देशीय परिवहन, समुद्री भाड़ा तथा बीमा, कमीशन तथा अन्य समायोजन यथा-सत्यापन अनुसार, को समायोजित किया गया है। पैकिंग के लिए कोई समायोजन आवश्यक नहीं पाया गया क्योंकि घरेलू तथा निर्यात बिक्रियों के संबंध में पैकेजिंग शर्त समान रही हैं। तदनुसार, इन दोनों ग्रेडों के संबंध में निवल कारखानागत निर्यात कीमतें निम्नानुसार निर्धारित की गई हैं-

ग्रेड	सीआईएफ निर्यात कीमत US\$/ मी.टन	समायोजन US\$/ मी.टन	निवल निर्यात कीमत US\$/ मी.टन
एन-608	*****	*****	*****
एन-615 बी	*****	*****	*****

ग) पाटन मार्जिन

33. पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ ऊपर निर्धारित कारखानागत सामान्य मूल्य की तुलना व्यापार के उसी स्तर पर निर्धारित निर्यात कीमत से की गई है। कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों के लिए किसी अन्य समायोजन का दावा नहीं किया गया है। तदनुसार, पाटन मार्जिन का अनंतिम निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:-

निट्रोफ्लेक्स, ब्राजील का पाटन मार्जिन					
	सा.मू.	नि.की.	पा.मा.	भारित औसत पा.मा.	पा.मा.%
एन-608	*****	*****	*****	*****	27%
एन-615 बी	*****	*****	*****	*****	

### छ 1.2 मै0 पेट्रोफ्लेक्स, ब्राजील

34. मै0 पेट्रोफ्लेक्स, ब्राजील ने भी इस जांच के लिए एक विस्तृत प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर कराया है और उनके प्रत्युत्तर तथा उसमें पाई गई त्रुटियों के आधार पर कतिपय अतिरिक्त जानकारी भी मंगाई गई। इस निर्यातक के प्रश्नावली प्रत्युत्तर और उसमें प्रस्तुत आंकड़ों की प्राधिकारी ने पड़ताल की है। इस निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर प्राधिकारी ने उसके सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन का निम्नानुसार हिसाब लगाया है:

#### क) सामान्य मूल्य

35. मै0 पेट्रोफ्लेक्स गांठ रूप में सामान्य एनबीआर सहित एनबीआर के विभिन्न ग्रेडों का उत्पादन करता है। यह उत्पादक विभिन्न ग्रेडों को कवर करते हुए अपने घरेलू बाजार में विचाराधीन उत्पाद की काफी मात्रा में घरेलू बिक्री करता है। किंतु जांच अवधि के दौरान एनबीआर के केवल दो ग्रेडों अर्थात् एनबीआर 3350 और एनबीआर 3960 का ही भारत को निर्यात किया गया है। अतः इन ग्रेडों के सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ उन्हें विचाराधीन उत्पाद के समान उत्पादों के रूप में मान लिया गया है और केवल व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में बेचे गए इन ग्रेडों की घरेलू बिक्री कीमत की जांच की गई है।

ग्रेड	घरेलू बिक्री कीमत/सामान्य मूल्य US\$/ मी.टन	समायोजन US\$/ मी.टन	सामान्य मूल्य US\$/ मी.टन
एनबीआर3350/पी	*****	*****	*****
एनबीआर 3960	*****	*****	*****

### ख) निर्यात कीमत

36. एनबीआर के संबंधित 'ग्रेडों' के सत्यापित बिक्री सौदों में शुल्कों तथा लोक लेवियों, अन्तर्देशीय परिवहन, समुद्री भाड़ा तथा बीमा, कमीशन तथा यथास्थापित अन्य समायोजनों को समायोजित किया गया है। तदनुसार, इन दोनों ग्रेडों के संबंध में निवल कारखानागत निर्यात कीमतें निम्नानुसार निर्धारित की गई हैं-

ग्रेड	सीआईएफ निर्यात कीमत US\$/ मी.टन	समायोजन US\$/ मी.टन	निवल निर्यात कीमत US\$/ मी.टन
एनबीआर3350/पी	*****	*****	*****
एनबीआर 3960	*****	*****	*****

### ग) पाटन मार्जिन

37. पाटन मार्जिन के निर्णय के प्रयोजनार्थ निर्यात कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान समान व्यापार-स्तर अर्थात् कारखानागत स्तर पर सामान्य मूल्य से की गई है। इस निर्यातक ने ऐसे अंतरों के प्रति किसी भी समायोजन का दावा नहीं किया है जो कीमत तुलनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं जिनमें बिक्रियों, कराधान, व्यापार स्तर, मात्राओं, वास्तविक विशेषताओं और कीमत तुलनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले प्रदर्शनकारी किसी अन्य अन्तर्देशीय की शर्तों संबंधी अंतर शामिल हैं।
38. तदनुसार, संबद्ध देशों के संबद्ध माल के उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:

पेट्रोप्लेक्स का पाटन मार्जिन				भारित पा. मा.	औसत पा. मा. %
	सा. मू.	नि. मू.	पा. मा.		



एनबीआर 3350/पी	*****	*****	*****	*****	21%
एनबीआर 3960	*****	*****	*****	*****	

### छ. 1.3 ब्राजील से सभी निर्यातक

39. ब्राजील के सभी अन्य निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों रूप में ब्राजील के सहयोगकारी निर्यातकों के अधिकतम सौदा मूल्यों के आधार पर अनंतिम रूप से किया गया है। तदनुसार, ब्राजील के सभी अन्य निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य का आकलन निम्नानुसार किया गया है।

ग्रेड	घरेलू मूल्य/सामान्य मूल्य US\$/ मी.टन	समायोजन US\$/ मी.टन	सामान्य मूल्य US\$/ मी.टन
सभी ग्रेड	*****	*****	*****

40. कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण कमीशन, अन्तर्देशीय भाड़े, समुद्री भाड़ा तथा बीमे के लिए समायोजनों की अनुमति दिए जाने के पश्चात् ब्राजील के सहयोगकारी निर्यातकों की न्यूनतम निर्यात कीमत के आधार पर अनंतिम रूप से किया गया है जिसका अनंतिम आकलन \*\*\*\* अम.डा./मी.टन पर किया गया है।
41. तदनुसार, ब्राजील के सभी असहयोगकारी निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन का आकलन \*\*\*\* अम.डा./मी.टन पर किया गया है।
42. इस प्रकार आकलित पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक रहे हैं और इन्हें पर्याप्त समझा गया है।

1052 GI/05-5

## छ.2 यूरोपीय संघ

43. जैसाकि पहले उल्लेख किया गया है, यूरोपीय संघ के एकमात्र प्रत्युत्तरदाता निर्यातक अर्थात् मैसर्स लैंगसेस इलास्टोमियर ने ही इस जांच का एक आंशिक प्रत्युत्तर दर्ज कराया है। इस निर्यातक से पूछा गया था कि वे पाटन मार्जिन, यदि कोई है, के निर्धारण के लिए निर्धारित रूप तथा तरीके में अतिरिक्त जानकारी के साथ अपने प्रत्युत्तर को पूरा करें। किंतु, प्राधिकारी की इस सलाह के प्रत्युत्तर में इस निर्यातक ने यह भी निवेदन किया है कि उनके लिए यह आवश्यक नहीं है कि वे स्वयं आवेदन-पत्र में पाई गई अनेक त्रुटियों के मद्देनजर वे उसमें शामिल हों और विस्तृत आंकड़े प्रस्तुत करें, जोकि अल्पतम प्रत्यक्ष जांच को समाप्त करने के लिए अपेक्षित है। उन्होंने आगे यह भी निवेदन किया है कि पाटन को सिद्ध करने का दायित्व संपूर्ण रूप में आवेदकों के ऊपर होता है और जब तक वे इस आशय की पूर्ण जानकारी नहीं देते कि उन्होंने यह तथ्य किस प्रकार तय कर दिया कि उनके लिए और अधिक जानकारी आवेदन-पत्र में आधारिक निहित बातों से निपटने के लिए अवसर दिए बिना देना नहीं बनता है। उन्होंने आगे यह भी निवेदन किया है कि उनके द्वारा प्रस्तुत आंकड़े इस कार्यवाही के लिए पर्याप्त से अधिक हैं।
44. हालांकि इस निर्यातक ने आंशिक प्रत्युत्तर तथा भारत को की गई अपनी निर्यात बिक्रियों से संबंधित कतिपय आंकड़े प्रस्तुत किए हैं लेकिन उन्होंने घरेलू बिक्रियों और अपने गृह बाजार में इस उत्पाद के सामान्य मूल्य से संबंधित कोई अन्य जानकारी प्रस्तुत नहीं की है। प्रस्तुत आंकड़े कई तरह से अपूर्ण हैं और निर्यातक ने विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत के संबंध कोई आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं। इस निर्यातक ने सामान्य मूल्य तथा कारखानागत निर्यात कीमत के निर्णय के लिए विभिन्न समायोजनों के संबंध में निर्धारित रूप तथा तरीके में कोई अन्य जानकारी भी प्रस्तुत नहीं की है।
45. प्राधिकारी ने इच्छुक पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों तथा निवेदनों को नोट कर लिया है।
46. पाटनरोधी संबंधी करार के अनुच्छेद 2 में यह उपबंध है कि:

2.1 इस करार के प्रयोजनार्थ कोई उत्पाद तब पाटित समझा जाएगा, अर्थात् उसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर दूसरे देश के वाणिज्य में शामिल, बशर्ते एक देश से दूसरे देश को निर्यातित उत्पाद के निर्यात कीमत निर्यातक देश में खपत के लिए आशयित समान उत्पाद के संबंध में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में तुलनीय कीमत से कम हो।

2.2 जब निर्यातक देश के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान उत्पाद की कोई बिक्री नहीं हो रही हो अथवा जब निर्यातक देश के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति अथवा बिक्री मूल्य कम हो तो ऐसी स्थिति में ऐसी बिक्रियों पर किसी यथोचित तुलना की अनुमति नहीं होती है, अतः पाटन मार्जिन का निर्धारण समान उत्पाद की तुलनीय कीमत से तुलना करके किया जाता है जब उसका निर्यात किसी समुचित तीसरे देश को किया जाता हो बशर्ते यह कीमत उसका प्रतिनिधित्व करती हो अथवा लाभ के लिए प्रशासनिक, बिक्री तथा सामान्य लागतों की यथोचित राशि में उद्भव के देश में उसकी उत्पादन लागत को जोड़कर निर्धारित किया जाता हो।

2.2.1 निर्यातक देश के घरेलू बाजार में समान उत्पाद की बिक्री अथवा प्रति इकाई (निर्धारित तथा कमोवेश) उत्पादन लागत जमा प्रशासनिक, बिक्री तथा सामान्य लागतों से कम कीमत पर किसी तीसरे देश को की गई बिक्रियों की कीमत के कारण द्वारा सामान्य व्यापार प्रक्रिया नहीं होना माना जाए और इसे सामान्य मूल्य के निर्धारण में तब शामिल नहीं किया जाए यदि प्राधिकारी यह तय करते हैं कि ऐसी बिक्रियां पर्याप्त मात्रा में बढ़ाई गई समयावधि के भीतर की जाती हैं और वह ऐसी कीमत पर की जाती है जिन्हें यथोचित समयावधि के भीतर सभी लागतों की वसूली के लिए प्रदान नहीं किया जाता हो। यदि ऐसी कीमतें जो बिक्री के समय प्रति इकाई लागत से कम स्तर पर हों और वह जांच अवधि के लिए भारत औसत प्रति इकाई लागत से ऊपर हो तो ऐसी कीमतों को यथोचित समयावधि के भीतर लागतों की वसूली के लिए समझा जाए।

47. प्राधिकारी नोट करता है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों जिनमें यूरोपीय संघ का मैसर्स लैंगसेस इलास्टोमियर शामिल है, को इस आशय का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया कि वे जांच के संगत जानकारी प्रस्तुत कर दें और उपरोक्त धारा के अनुसार टिप्पणियां, यदि कोई हो, ऑफर करें। उक्त उत्पाद के संबंध में यूरोपीय संघ के एकमात्र प्रत्युत्तरदाता निर्यातक अर्थात् मै0 लैंगसेस इलास्टोमियर ने केवल

एक आंशिक प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया है जिसमें उनके सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के समुचित निर्धारण की अनुमति नहीं है। अतः, प्राधिकारी इस बात के लिए बाध्य है कि वह इस निर्यातक को प्रारंभिक निष्कर्षों के प्रयोजनार्थ असहयोगकारी निर्यातक के रूप में घोषित करे।

48. प्राधिकारी नोट करता है कि यूरोपीय संघ का आंशिक सहयोगकारी निर्यातक ही प्रमुख उत्पादक है और उसका यूरोपीय संघ से भारत को होने वाले निर्यात का प्रमुख हिस्सा होता है। किंतु, यूरोपीय संघ के निर्यातकों की ओर से असहयोग के मद्देनजर प्राधिकारी ने यूरोपीय संघ के सभी निर्यातकों के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अनंतिम पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है।

**क) सामान्य मूल्य: यूरोपीय संघ के सभी निर्यातक**

49. आंशिक सहयोगकारी निर्यातक के निर्यात आंकड़े जांच अवधि के दौरान भारत को उच्च तथा मध्यम एनबीआर के निर्यात दर्शाते हैं, हालांकि उच्च एनबीआर का निर्यात मध्यम एनबीआर की तुलना में बहुत कम रहा है। किंतु, जैसाकि ऊपर नोट किया गया है इस निर्यातक ने उसके पाटन मार्जिन के आकलन के लिए अपनी घरेलू बिक्रियों से संबंधित आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं। अतः प्रारंभिक निष्कर्ष के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने इस निर्यातक द्वारा प्रस्तुत अपूर्ण आंकड़ों को अनदेखा कर दिया है और यूरोपीय संघ में सामान्य मूल्य का आकलन नियम 6.8 के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कर दिया है। करार के अनुबंध II के पैराग्राफ 1 के साथ पठित उपर्युक्त नियमावली में यह उपबंध है कि यदि इच्छुक पक्षकार किसी यथोचित समयावधि के भीतर जानकारी प्रदान नहीं करता है तो ऐसी स्थिति में प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा जांच प्रारंभ के लिए आवेदन-पत्र में विहित उन तथ्यों सहित उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारण करने के लिए स्वतंत्र होगा। तदनुसार, यूरोपीय संघ के सभी निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य का आकलन अनंतिम तौर पर मध्यम एनबीआर के लिए \*\*\*\* अम.डा./मी.टन और उच्च एनबीआर के लिए \*\*\*\* अम.डा./मी.टन पर किया गया है और ऐसा सामान्य मूल्य को कारखानागत स्तर पर लाने के लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर व्यापार समायोजनों के स्तर की अनुमति दिए जाने के बाद किया गया है।

## ख) निर्यात कीमत

50. आंशिक तौर पर सहयोगकारी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़े जांच अवधि के दौरान मध्यम एनबीआर तथा उच्च एनबीआर के पर्याप्त निर्यात इंगित करते हैं। किंतु इस निर्यातक ने कारखानागत कीमत पर निवल निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए अपेक्षित व्यापार समायोजन के स्तर संबंधी कोई जानकारी प्रदान नहीं की है। अतः निवल निर्यात कीमत का आकलन उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सूचित वास्तव निर्यात कीमत को समायोजित किए जाने के बाद किया गया है जो निम्नानुसार है:-

निर्यात कीमत	औसत सीआईएफ	समायोजन	निवल नि.की.
मध्यम एनबीआर	*****	*****	*****

## ग) पाटन मार्जिन

51. उपरोक्त अनंतिम तौर पर यथाआकलित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के आधार पर यूरोपीय संघ के सभी निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन का अनंतिम निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:

पाटन मार्जिन	सा.मू.	नि.की.	पा.मा.	भारित औसत	पा.मा.%
मध्यम एनबीआर	*****	*****	*****	*****	26%
उच्च एनबीआर	*****	*****	*****		

## छ.3 मेक्सिको

52. प्राधिकारी नोट करता है कि मेक्सिको के निर्यातकों से कोई प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। मेक्सिको सरकार ने अभ्यावदन दिया है कि मेक्सिको से संबद्ध माल का कोई निर्यात नहीं किया गया है। इस तर्क पर प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम में पहले ही चर्चा कर ली है। याचिकाकर्ताओं ने निवेदन किया है कि मेक्सिको से

10526I/05-6

होने वाले निर्यात मूल रूप से ऑफ स्पेक माल होता है । किंतु उनका घरेलू बाजार में बाजार हिस्से तथा कीमत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है ।

#### क) सामान्य मूल्य

53. प्राधिकारी नोट करता है कि मेक्सिको से होने वाले आयातों के संबंध में डीजीसीआईएंडएस के सौदेवार आंकड़ों में बताई गई कीमत स्पष्ट रूप से एक भिन्न कीमत ढांचे को परिलक्षित करती हैं जो याचिकाकर्ता के इस आशय के दावे की पुष्टि करते हैं कि यह ऑफ स्पेक सामान है । तदनुसार प्राधिकारी ने ब्राजील में प्रमुख माल के सामान्य मूल्य के आधार पर ऑफ स्पेक माल के संबंध में मेक्सिको के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है और ऐसा व्यापार स्तर के लिए आवश्यक समायोजन और \*\*\*\*% द्वारा ऑफ स्पेक माल से संबंधित सामान्य मूल्य का समायोजन कर दिए जाने के बाद किया गया है । इस प्रकार आकलित सामान्य मूल्य की गणना \*\*\*\* अम.डा./मी.टन पर की है ।

#### ख) निर्यात कीमत

54. निवल कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के आधार पर उपलब्ध तथ्यों पर आधारित समुद्री भाड़े, बीमे तथा सुपुर्दगी, अंतर्देशीय भाड़े, स्थानीय लेवियों, आदि का समायोजन किए जाने के बाद किया गया है और इसका अनंतिम आकलन \*\*\*\* अम.डा./मी.टन पर किया गया है ।

#### ग) पाटन मार्जिन

55. मेक्सिको के ऑफ स्पेक माल के संबंध में सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के अनंतिम आंकड़ों के आधार पर उस देश के सभी निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण \*\*\*\* अम.डा./मी.टन पर किया गया है ।

#### छ.4 पाटन मार्जिन: सारांश

देश	निर्यातक	सा.मू.	नि.की.	पा.मा.	पा.मा.%
ब्राजील	पेट्रोफ्लेक्स	*****	*****	*****	21%

	निट्रिफ्लेक्स	*****	*****	*****	27%
	अन्य सभी	*****	*****	*****	28%
ईयू	सभी निर्यातक	*****	*****	*****	26%
मेक्सिको	सभी निर्यातक	*****	*****	*****	50%

56. इस प्रकार अनंतिम रूप से निर्धारित पाटन मार्जिन पर्याप्त है और वह न्यूनतम से अधिक है ।

#### ज. क्षति का निर्धारण

57. संबद्ध देशों/क्षेत्रों से निर्यातित संबद्ध माल के संबंध में सकारात्मक पाटन मार्जिन की जांच करने और उसे अनंतिम रूप से सिद्ध करने के बाद प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति, यदि कोई हो और पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की भी जांच की है । क्षति की जांच करने के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग एकमात्र घरेलू उत्पादक है और मौजूदा मामले में याचिकाकर्ता कंपनी है ।

#### ज. 1 क्षति का संचयी आकलन

58. प्राधिकारी नोट करता है कि भारतीय बाजार में संबद्ध माल का आयात कई देशों से साथ-साथ हो रहा है जिनमें संबद्ध देश/क्षेत्र शामिल हैं जिनके बारे में प्राधिकारी द्वारा जांच आरंभ की गई है। अतः, प्राधिकारी का प्रस्ताव है कि वह इस बात की जांच करे कि क्या घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों/क्षेत्रों से हुए पाटित आयातों के प्रभाव के संचयी आकलन की शर्तों से वह संतुष्ट है ।

59. इच्छुक पक्षकारों ने तर्क दिया है कि संचयन की अनुमति तभी दी जाती है जबकि विभिन्न देशों से होने वाले आयात एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा करें और वह घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित समान उत्पादों से भी प्रतिस्पर्धा करे । उन्होंने तर्क दिया है कि मौजूदा मामले में घरेलू उद्योग ने केवल यह निष्कर्ष लिया है कि चूंकि संबद्ध देशों से होने वाले आयातों की समान विशेषताएं घरेलू उद्योग द्वारा ऑफर माल से मिलती-जुलती हैं अतः प्रतिस्पर्धा की दशा भी एकसमान है । इस प्रकार संचयन का औचित्य बनता है । याचिका में कहीं भी घरेलू उद्योग ने यह दर्शाते हुए दूसरी अपेक्षा पूरी नहीं की है कि आयातित उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की दशाएं एक समान हैं । उन्होंने तर्क दिया है कि संबद्ध निर्यातों को

एक दूसरे के साथ अथवा निम्नलिखित कारणों से प्रतिस्पर्धाकारी नहीं कहे जा सकते हैं

- (i) कि संबद्ध देशों से आयातित उत्पादों के बिक्री स्तर एकसमान नहीं हैं, उदाहरण के लिए मेक्सिको से आयात ब्राजील के आयातों की कीमत के लगभग 37% पर और यूरोपीय संघ के आयातों की कीमत के 28% पर बिक्री की गई है।
- (ii) कि याचिकाकर्ता यह कहता है कि उपभोक्ता सप्लायर द्वारा ऑफर की गई कीमत द्वारा संचालित होते हैं लेकिन यह पीपीआर सारांश में प्रकाशित नहीं किया गया है। यदि कीमत ही एकमात्र मानदंड होती तो तब मेक्सिको से होने वाले आयात पीपीआर सारांश में परिलिखित बाजार हिस्से की तुलना में बड़ा बाजार अर्जित कर सकते थे।
- (iii) इसी प्रकार, आयातों के बीच प्रतिस्पर्धा के आधार के रूप में कीमत याचिका में शामिल साक्ष्य नहीं हो सकती है। अप्रैल 2003 से मार्च, 2004 तक की अवधि में ब्राजील का बाजार हिस्सा यूरोपीय संघ के बाजार हिस्से के मुकाबले 25% रहा जबकि यूरोपीय संघ से आयातों की कीमतें अपेक्षतया अधिक रहीं। उपरोक्त बिंदु (ii) तथा (iii) यह दर्शाते हैं कि कीमत के अलावा अन्य कारक उपभोक्ताओं की पसंद को निर्धारित करते हैं और इससे यह तथ्य लागू होता है कि इस आधार पर संबद्ध आयात एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं।
- (iv) इसके अलावा, याचिका के अनुसार, मेक्सिको द्वारा निर्यातित संबद्ध माल ऑफ स्पेक ग्रेड के हैं जिनकी बिक्री बहुत ही कम कीमत पर हो रही है और जिनका प्रयोग अपेक्षतया अधिक कीमत पर ब्राजील तथा यूरोपीय संघ द्वारा निर्यातित ग्रेडों के साथ परस्पर परिवर्तनीय रूप से किया जाता है। मेक्सिको से होने वाले आयातों में ब्राजील से होने वाले आयातों की तरह एक समान तकनीकी विनिर्देशन नहीं होते हैं जो पुनः घरेलू उद्योग पर संबद्ध आयातों के प्रभाव के संचयी आकलन को कम करते हैं।
- (v) तदनुसार, घरेलू उद्योग यह स्वीकार करता है कि विभिन्न उत्पादकों द्वारा विनिर्मित एनबीआर के बीच प्रतिस्थापन को एनबीआर के उपभोक्ताओं की लागत को उलझाता है जैसाकि उक्त याचिका के पृष्ठ 2 में कहा गया है "विभिन्न उत्पादकों द्वारा उत्पादित एनबीआर के अनुकूल उनकी उत्पादन प्रक्रिया अनुकूल नहीं है।" ऐसी लागत की मौजूदगी से यह साक्ष्य परिलिखित होता है कि एनबीआर के सभी ग्रेड आवश्यक रूप से न तो कारगर ढंग से परस्पर परिवर्तनीय है और न ही कारगर ढंग से परस्पर प्रतिस्पर्धाकारी।



60. उन्होंने यह भी दोहराया है कि संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध माल के सभी ग्रेड/किस्मों का घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्माण नहीं किया जाता है। इसके बावजूद याचिकाकर्ता ने इन आयातों तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित ग्रेडों के बीच प्रतिस्पर्धा की दशाओं का आकलन किया है।

61. अतः इच्छुक पक्षकारों ने तर्क दिया है कि अन्य संबद्ध देशों के विभिन्न निर्यातकों द्वारा निर्यातित संबद्ध माल एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं और इस प्रकार संबद्ध माल के बीच प्रतिस्पर्धा की दशाएं एकसमान नहीं हैं। इससे स्पष्ट रूप से यह सिद्ध होता है कि याचिकाकर्ता ने डब्ल्यू टी ओ के पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.3 की व्याख्या करने और उसका विश्लेषण करने में गलती की है और क्षति के संचयी आकलन के इस विश्लेषण को अब शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

62. प्राधिकारी ने विभिन्न स्रोतों से इस उत्पाद के साथ-साथ हो रहे पाटन की वजह से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के संचयी आकलन के प्रश्न पर इच्छुक पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों को नोट कर लिया है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II(iii) में यह अपेक्षा है कि यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद का आयात साथ-साथ हो रहा है और जो पाटनरोधी जांच के अधधीन हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करेगा, बशर्ते वह यह तय करता है कि:

- i) अलग-अलग देशों से होने वाले आयात या तो न्यूनतम सीमा से अधिक हैं या वे संचयी आधार पर कुल आयातों का 7% से अधिक हैं;
- ii) अलग-अलग देशों पर पाटन मार्जिन 2% से ऊपर है; और
- iii) आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के मद्देनजर समुचित है।

63. इस संबंध में प्राधिकारी ने क्षति के संचयी आकलन के मुद्दे की जांच करने हेतु निम्नलिखित बातों पर विचार किया है और पाया कि:

- i) प्रत्येक संबद्ध देश से संबद्ध माल के पाटन का मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है।
- ii) प्रत्येक संबद्ध देश से होने वाले आयात की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है।

1052 GI/05-7

- iii) प्राधिकारी नोट करता है कि जांच में शामिल संबद्ध देशों/क्षेत्रों तथा अन्य देशों से भारत में आयातित एनबीआर के विभिन्न ग्रेडों और घरेलू उत्पादक द्वारा उत्पादित एनबीआर तकनीकी तथा वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीय दृष्टि से समान उत्पाद हैं। आगे यह भी नोट किया जाता है कि हालांकि मौजूदा जांच को गांठ रूप में एनबीआर के आयात तक ही सीमित रखा गया है और इसमें पाउडर तथा कार्बोजिलेटेड एनबीआर शामिल नहीं हैं। यह भी नोट किया जाता है कि पाउडर तथा कार्बोजिलेटेड एनबीआर का आयात बहुत ही नगण्य है। अतः, इन सभी स्रोतों से किया गया पाटित आयात पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II(iii) के अनुसार क्षति विश्लेषण के लिए संचयी माना जा सकता है।
- iv) आयातित उत्पाद तथा घरेलू उत्पादित संबद्ध माल परस्पर परिवर्तनीय हैं और इनका परस्पर परिवर्तनीय रूप से प्रयोग हो रहा है। संबद्ध देशों से किए गए आयातों संबंधी सौदेवार जानकारी यह दर्शाती है कि ये आयात वास्तविक प्रयोक्ताओं तथा उन व्यापारियों द्वारा किए जा रहे हैं जिन्होंने इस माल की खरीद पुनःबिक्री के लिए की है। शामिल देशों द्वारा सप्लाई किए गए माल भारतीय बाजार में उन्हीं वितरण चैनलों के जरिए हो रहा है जो भारतीय बाजार के साथ प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।
- v) संबद्ध देशों से सप्लाई किए गए उत्पादों का भारत में विपणन उसी अवधि के दौरान तुलनीय बिक्री चैनलों के जरिए तथा समान वाणिज्यिक दशाओं में किया जा रहा है।
- vi) घरेलू उत्पादक तथा संबद्ध देशों के निर्यातक इस उत्पाद की बिक्री समान उपभोक्ता श्रेणी को कर रहे हैं।
- vii) संबद्ध देशों से होने वाला आयात स्वयं अपने आप में और भारतीय उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है और इससे बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में काफी कटौती हो रही है।

64. आयातित उत्पादों के बीच परस्पर प्रतिस्पर्धा के अभाव के संबंध में इच्छुक पक्षकारों के तर्कों की प्राधिकारी द्वारा जांच की गई है। यह नोट किया जाता है कि एनबीआर का उत्पादन विभिन्न देशों में किया जाता है लेकिन उनका मूल रूप से वर्गीकरण उनके एएन तथा बीडी अंशों और मूनीविस्कोसिटी के अनुसार किया जाता है। विभिन्न देशों में उत्पादित एनबीआर के विभिन्न ग्रेडों के संबंध में अन्य देशों तथा घरेलू बाजार में एकसमान अथवा बराबर के ग्रेड उपलब्ध होते हैं और उनकी कीमत की दृष्टि से एकदूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा के रूप में प्रतीत

अलग-अलग ग्रेड के स्तर पर होते हैं। इच्छुक पक्षकारों द्वारा दिए गए कीमत स्तर संबंधी तर्क सही प्रतीत नहीं होते हैं क्योंकि सारांश आंकड़ों में दी गई कीमतें अलग-अलग देशों की औसत कीमत होती है और वह निर्यात बाजार में विभिन्न ग्रेडों के मिश्रण पर निर्भर होता है। हालांकि मेक्सिको के निर्यात आवश्यक रूप से ऑफ स्पेक माल के हुए हैं लेकिन वह कारगर ढंग से मुख्य पक्षकार के बाजार हिस्से को उसके कीमत प्रभाव के कारण समाप्त करता है। जहां तक ब्राजील तथा यूरोपीय संघ से हुए निर्यातों का संबंध है वे स्पष्ट रूप से उसी कीमत स्तर पर किए गए हैं और वे भारतीय बाजार में परस्पर प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं। प्राधिकारी घरेलू उद्योग के उन तर्कों को नोट करता है कि उसके अपने नियमित उपभोक्ता आयातों का सहारा लेने लग गये हैं क्योंकि आयातित माल की कीमत भिन्न है।

65. अतः प्राधिकारी का अनंतिम निर्णय है कि इस मामले में क्षति का संघयी आकलन समुचित है क्योंकि संबद्ध देशों/क्षेत्रों से संबद्ध माल का निर्यात प्रत्यक्ष रूप से अपने साथ तथा भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा ऑफर किए गए समान माल के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है।

## ज.2 वास्तविक क्षति

### ज.2.1 इच्छुक पक्षकारों के विचार

66. घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी के समक्ष किए गए अपने निवेदन में तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को अनेक स्रोतों से क्षति हो रही है। जापान, ताइवान, जर्मनी तथा कोरिया से होने वाले निर्यातों पर पाटनरोधी शुल्क पहले से ही लगा हुआ है। घरेलू उद्योग को हो रही क्षति का आकलन इस तथ्य के मद्देनजर जरूरी है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों की वजह से हुई क्षति अभी भी जारी है।
67. उन्होंने अन्य बातों के साथ-साथ तर्क दिया है कि हालांकि उपरोक्त देशों के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क के संरक्षण से उन्हें अपने निष्पादन में मामूली रूप से सुधार करने में सहायता तो मिली क्योंकि नए स्रोतों अर्थात् इस जांच में शामिल देशों/क्षेत्रों से होने वाले पाटन के कारण और शुल्क लगाने वाले कतिपय देशों के निर्यातकों द्वारा पाटन को और गहन बनाने के कारण वे इसका अधिक लाभ नहीं उठा सके और उन्हें वास्तविक क्षति का होना जारी है। उन्होंने आगे यह भी निवेदन किया है कि अपनी उत्पादकता तथा उत्पादन मात्रा में सुधार होने और किए गए विभिन्न लागत कटौती उपायों के जरिए उत्पादन लागत में गिरावट के बावजूद वे संबद्ध देशों/क्षेत्रों सहित विभिन्न स्रोतों से जारी

पाटन के कारण अपनी लागत को वसूल करने के लिए लाभकारी कीमत वसूल करने में असफल रहे हैं।

- 68 निर्यातकों तथा अन्य इच्छुक पक्षकारों ने अपने विभिन्न निवेदनों में दावा किया कि घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में सुधार हुआ है और घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक क्षति नहीं होती है। संक्षिप्तता के प्रयोजनार्थ इच्छुक पक्षकारों द्वारा विभिन्न लिखित निवेदनों में दिस गए विभिन्न तर्कों की इस जांच परिणाम में पुनरावृत्ति नहीं की गई है किंतु विभिन्न निवेदनों को सारांश में निम्नानुसार दिया जाता है:-
- कि अपार का कार्य-निष्पादन उत्कृष्ट रहा है और उन्हें कोई क्षति होने का कोई कारणात्मक संबंध दिखाई नहीं देता है। उनके वित्तीय परिणाम यह दर्शाते हैं कि उन्होंने बहुत ही अच्छा निष्पादन करके सुधार किया है। उनके सभी आर्थिक संकेतक उनके लिए बिल्कुल ही सकारात्मक रहे हैं।
  - कि वर्ष 1998-99 और 1999-2000 के तुलन-पत्रों के साथ संलग्न अपार की निदेशक-रिपोर्ट में स्वयं बताया गया है कि वे अपनी उत्पादक क्षमता बढ़ाकर 10,000 मी.टन प्रतिवर्ष कर रहे हैं। अपार की उत्पादन क्षमता नहीं बढ़ गई होती यदि वह ऊंचे स्तर पर कार्य-चालन नहीं कर रहे होते और पर्याप्त लाभ नहीं कमा रहे होते।
  - कि 15,000 टीपीए से कम की क्षमता से एनबीआर उत्पादन का विश्व-स्तर खर्चीला समझा जा सकता है जो अर्थक्षम नहीं है। अपार की उत्पादन क्षमता 4,000 टीपीए बताई गई है जोकि लागत कारगर तथा लाभ योग्य क्षमता से कहीं कम है।
  - अपने कच्चे माल की सप्लाई के लिए अपार दूसरों पर निर्भर है। चूंकि कच्चे माल की कीमतें स्वभाव में बहुत ही अस्थिर होती हैं अतः उनका अपने उत्पादन पर, जो भी हो, कोई नियंत्रण नहीं है और उनके पास स्वयं को कीमत वृद्धि तथा उत्पादन हानि की मौज के अध्यधीन रखने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है।
  - अपार के उत्पादन, बिक्री तथा लाभ में कोई कमी नहीं आई है। उनकी वृद्धि दर 5% से 7% तक रही है जोकि खड़ उद्योग की वृद्धि दर के अनुरूप है। अगले 5 वर्षों के दौरान एनबीआर की जरूरतों को देखते हुए अपार की क्षमता इस उद्योग की कुल मांग को पूरा नहीं कर सकेगी।
  - उनके एक्रीलोनिट्राइल बुटाडीन खड़ के उत्पादन तथा बिक्री में पर्याप्त वृद्धि हुई है। अतः कोरिया गणराज्य, जर्मनी अथवा अन्य किसी अन्य देश से किए गए आयातों का उनके उत्पादन, बिक्री तथा लाभ पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। वास्तव में, उनकी बिक्री तथा लाभ में सतत वृद्धि बहुत अच्छी तरह से हो रही है।

- कि एनबीआर के विनिर्माण के लिए एक्रीलोनिट्राइल तथा बुटाडीन मोनोमर ही आधारित निविष्टियां होती हैं। इन निविष्टियों की कीमतों में आई तीव्र गिरावट के कारण पिछले चार वर्षों में एनबीआर की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में गिरावट का रुख रहा है। इस प्रकार, कोरिया गणराज्य तथा जर्मनी से किए गए एनबीआर के आयातों की कीमतों में गिरावट कोई अपवाद नहीं है।
- कि भारतीय रबड़ उद्योग को एनबीआर पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण नुकसान हुआ है क्योंकि उनकी उत्पादन लागतें पड़ौसी देशों के विनिर्माताओं की लागतों की तुलना में अपेक्षतया अधिक हैं।
- कि मात्रा-वार तथा ग्रेड वार दोनों ही दृष्टियों से उद्योग की जरूरत अपार की उत्पादन क्षमताओं की तुलना में अधिक है, अतः मांग को पूरा करने के लिए आयातों का आयात करना अनिवार्य है।
- निट्राइल रबड़ का विश्व-व्यापी उत्पादन कई ग्रेडों में होता जिनकी संख्या 50 से भी अधिक है जबकि घरेलू उत्पादक इस उद्योग को केवल 4/5 ग्रेडों की ही ऑफर करता है। अतः सभी आयातित ग्रेडों पर पाटनरोधी शुल्क का बोरा भार लगाना उचित नहीं है जबकि 90% ग्रेडों का उत्पादन देश में नहीं होता है।
- कि याचिकाकर्ता भारत में इस उत्पाद का एकमात्र उत्पादक है। वे प्रतिवर्ष 4,000 मी.टन एनबीआर का उत्पादन करते हैं जबकि वार्षिक खपत 10,000 मी.टन से भी अधिक है। यह ऐसे सभी दलीलों का विरोध है कि उन मात्राओं के लिए भी जिनके लिए याचिकाकर्ता के पास कोई उत्पादन क्षमता नहीं है, खपत उद्योग पाटन रोधी शुल्क का भुगतान करने को बाध्य है।
- कि अपार के वार्षिक लेखे विलयित तुलन-पत्र के रूप में हैं और उसके एनबीआर के उत्पादन, बिक्री तथा लाभप्रदता के बारे में स्पष्ट रूप से बताना बहुत ही मुश्किल है। दूसरे क्षेत्रों में अपार का समूचा व्यापार गिर रहा है और केवल एनबीआर तथा एचएसआर के क्षेत्रों में ही पर्याप्त वृद्धि होती रही है। अपार के उत्पादन, बिक्री तथा कीमतों संबंधी आंकड़े पूर्ण रूप से अंधाधुंध चल रहे हैं। स्पष्ट रूप से कुछ भी सामने नहीं आ रहा है। जांच की प्रथम अवधि से लेकर अब तक के आंकड़े उनके समेकित तुलन-पत्र पर आधारित हैं जिनमें एनबीआर, एसबीआर, आदि संबंधी आंकड़े हर आदमी को जानबूझ कर भ्रमित कर रहे हैं।

## ज.2.2 ब्राजील तथा यूरोपीय संघ के प्रत्युत्तरदाता निर्यातक

69. ब्राजील के सहयोगकारी निर्यातकों ने अपने विभिन्न निवेदनों में तर्क दिया है कि याचिकाकर्ता की अकुशलता पाटनरोधी जांच किए जाने के लिए कोई आधार नहीं बन सकती है। याचिकाकर्ता के संयंत्र की स्थापित क्षमता 8800 मी.टन प्रति वर्ष

185242/05-8

है जोकि भारतीय बाजार की मांग को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है। उसके अपने लघु पैमाने पर उत्पादन के कारण उनका अर्थव्यवस्था पैमाना सतत नहीं है। उन्होंने तर्क दिया है कि संबद्ध माल एकमात्र घरेलू उत्पादक अर्थात् याचिकाकर्ता की सीमित क्षमता घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पूर्णतया अपर्याप्त है। इस प्रकार मांग तथा पूर्ति के बीच असमानता को केवल आयातों द्वारा पूरा किया जा सकता है। उन्होंने निवेदन किया है कि यदि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाते हैं तो ऐसा करने से भारत में संबद्ध माल के अन्तिम प्रयोक्ताओं को नुकसान, हानि तथा क्षति होगी क्योंकि इससे संबद्ध माल के उन प्रयोक्ताओं की लागत में वृद्धि होगी जो ब्राजील जैसे देशों से संबद्ध माल की खरीद करते हैं।

70. इन निर्यातकों ने आगे यह भी तर्क दिया है कि याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सामग्री के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि (i) उत्पादन में वृद्धि हुई है (ii) बिक्री में वृद्धि हुई है और (iii) मात्रा में वृद्धि हुई है। याचिकाकर्ता भारतीय बाजार में बिक्री के लिए अपनी कीमत कायम रखने में कामयाब रहा है और निर्यातों की कीमत से याचिकाकर्ता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। अतः इन कारकों की जांच से यह परिलक्षित होता है कि जो भी हो इनके कारण कोई क्षति नहीं हुई है और भारत में क्षति के लिए कोई भी कारक साबित नहीं होते हैं। इसके अलावा, उन्होंने तर्क दिया है कि याचिकाकर्ता ने जांच अवधि के दौरान प्रतिवादियों द्वारा भारत में संबद्ध माल के तथाकथित पाटन तथा तथाकथित वास्तविक क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के अपने मामूली प्रमाण को पुष्ट नहीं किया है। यह निवेदन किया गया है कि वास्तविक क्षति अथवा उसकी आशंका मात्र आरोपों, वक्तव्यों अथवा संयोजन पर आधारित नहीं हो सकती है। अतः उन्होंने तर्क दिया है कि याचिकाकर्ता ने इन कार्रवाईयों का लाभ एक उपचारात्मक उपाय के रूप में नहीं बल्कि प्रतिस्पर्धा से बचने के रूप में लिया है।

### ज.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

71. प्राधिकारी ने विभिन्न पक्षकारों द्वारा अपने-अपने निवेदनों में किए गए विभिन्न तर्कों, विशेष रूप से घरेलू उद्योग की दशा और निष्पादन में उसके सुधार के रूप में नोट किया है। प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि पाटनरोधी शुल्क जापान, ताइवान, कोरिया तथा जर्मनी के विरुद्ध लागू है और कोरिया, जर्मनी तथा ताइवान के विरुद्ध लागू पाटनरोधी शुल्क के विरुद्ध समीक्षा चल रही है। यह भी नोट किया गया है कि शुल्क के लागू रहने के बावजूद वहां से पाटन का होना जारी है और

इन स्रोतों से होने वाले पाटन तथा क्षति के जारी रहने तथा जारी रहने की संभावना के मुद्दे की प्राधिकारी द्वारा जांच इस समीक्षा में चल रही है। प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि सकारात्मक पाटन मार्जिनों का निर्धारण मौजूदा मामले में उपरोक्त प्रत्येक देश/क्षेत्र के संबंध में किया गया है। अतः इस जांच के प्रयोजनार्थ सभी स्रोतों से होने वाले पाटित आयातों का संचयन घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव के संचयी विश्लेषण के प्रयोजनार्थ किया गया है।

72. पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.1 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 2 में इन दोनों के संबंध में उद्देश्यात्मक जांच किए जाने का प्रावधान है अर्थात् (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा समान उत्पादों के लिए घरेलू बाजार की कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) पाटित आयातों के मात्रा प्रभाव के संबंध में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव। प्राधिकारियों से अपेक्षा है कि वह इस बात की जांच करें कि आयातों में या तो संपूर्ण रूप में अथवा आयातक सदस्य देश में उत्पादन तथा खपत के संबंध में इन आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारियों से यह अपेक्षा है कि वे इस बात की जांच करें कि क्या आयातक देश में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा पर्याप्त कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के फलस्वरूप काफ़ी सीमा तक कीमत मंदी आ जाएगी अथवा कीमत वृद्धि में रुकावट होगी जो अन्यथा काफ़ी सीमा तक हो गई होती।
73. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध माल के पाटित आयातों की मात्रा तथा कीमत प्रभावों और कीमत तथा लाभप्रदता पर उसके प्रभाव की जांच की है ताकि पाटन तथा क्षति यदि कोई है, के बीच क्षति तथा कारणात्मक संबंधों की मौजूदगी की जांच की जा सके।
74. चूंकि संबद्ध देशों से होने वाले निर्यातों के संबंध में सकारात्मक पाटन मार्जिन साबित कर दिया गया है अतः उन देशों से होने वाले संपूर्ण निर्यातों को क्षति विश्लेषण तथा कारणात्मक संबंधों की जांच के प्रयोजनार्थ पाटित आयातों के रूप में माना गया है।

(क) मात्रा प्रभाव: पाटित आयातों का मूल्य प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

75. संबद्ध देशों/क्षेत्रों से होने वाले पाटित आयातों के मात्रा प्रभावों और अन्य देशों से

होने वाले पाटित आयातों के प्रभावों की निम्नानुसार जांच की गई है।

i) आयात मात्रा तथा संबद्ध देशों का हिस्सा:

76. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया था कि एनबीआर के आयात सीमाशुल्कों के विभिन्न शीर्षकों के तहत हुए बताए गए हैं और एनबीआर का पृथक्करण इस तथ्य के कारण डीजीसीआईएंडएस के सौदेवार आंकड़ों के संदर्भ में करना कठिन है कि डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों में इस उत्पाद का पूरा विवरण परिलक्षित नहीं होता है। अतः उन्होंने संगत अवधि के लिए प्लास्टिक एंड पोलिमर रिव्यू (पीपीआर) में प्रकाशित आयात आंकड़ों पर ही विश्वास किया है। प्राधिकारी ने डीजीसीआईएस के सौदा-स्तरीय आंकड़ों और पीपीआर द्वारा प्रकाशित आयात आंकड़ों की जांच की है जिसमें यथासंभव सीमा तक असंबद्ध उत्पादों के डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों को अलग कर दिया गया है।
77. किंतु, जैसाकि ऊपर उल्लेख किया गया है, विवरण तथा वर्गीकरण संबंधी समस्या की वजह से इन दोनों स्रोतों के आंकड़ों में काफी अंतर परिलक्षित होता है। इसके अलावा, डीजीसीआईएस के आंकड़ों में कोरिया के सहयोगकारी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत निर्यात आंकड़ों से वहां से हुए कम आयात दर्शाए गए हैं। यह भी नोट किया जाता है कि पीपीआर में सभी पत्तनों की मार्फत होने वाले आयात नहीं दर्शाये जाते हैं। अतः, क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी का प्रस्ताव है कि डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों में उसके पास उपलब्ध निर्यातक आंकड़ों के आधार पर कोरिया से होने वाले आयातों के संबंध में यथावश्यक समायोजन के पश्चात डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों को अंगीकार कर दिया जाए। तदनुसार विचाराधीन उत्पाद के आयात आंकड़े निम्नानुसार दिए जा रहे हैं-

देश	मात्रा मी.टन			जांच अवधि
	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04
ईयू	489.12	435.53	1282.79	1771.17
ब्राजील	122.04	356.53	321.00	365.17
मेक्सिको	22.00	55.00	104.72	207.15
संबद्ध देश (ईयू, ब्राजील, मेक्सिको)	633.16	847.06	1708.51	2343.49



प्रवृत्ति	100	133.78	269.84	370.12
शुल्क सहित अन्य	2671.79	2853.61	3103.78	4157.17
प्रवृत्ति	100.00	110.75	120.46	161.01
अन्य	0	117.93	216.95	200.02
प्रवृत्ति	0	100.00	183.96	116.02
कुल प्रवृत्ति	3213.73 100.00	3822.45 118.97	5035.12 156.69	6700.67 208.49

स्रोत: डीजीसीआईएंडएस

78. उपर्युक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि जहां आधार वर्ष की तुलना में कुल आयातों में लगभग 108% की वृद्धि हुई वहां संबद्ध देशों से होने वाले आयातों में उसी अवधि के दौरान 270% की वृद्धि हुई है। वर्ष 2002-03 जांच अवधि तक संबद्ध देशों से होने वाले आयातों की वृद्धि दर लगभग 50% रही है जिसमें घरेलू बाजार में पर्याप्त मात्रा-प्रभाव इंगित किया गया है। आयातों में हुई मात्रा वृद्धि का विश्लेषण मांग तथा बाजार हिस्से में वृद्धि के संबंध में किया गया है।

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
कुल घरेलू मांग	****	****	****	****
मांग में वृद्धि	100	114	131	159

- 79 इस उत्पाद की कुल मांग में आधार वर्ष की तुलना में केवल 47% की वृद्धि दर्शाई गई है जबकि संबद्ध देशों/क्षेत्रों से होने वाले आयातों में उसी अवधि में 270% से भी अधिक वृद्धि दर्शाई गई है।

ii) मांग, उत्पादन तथा बाजार हिस्सा

क) घरेलू उद्योग का उत्पादन

क्षमता और उत्पादन

मात्रा मी.टन

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
--	---------	---------	---------	-----------

1052 GIBS-9

प्रतिस्थापित क्षमता	6,250	8,350	8,800	8,800
सूचीकृत	100	134	141	141
कुल उत्पादन	****	****	****	****
सूचीकृत	100	130	130	149
सकल उत्पादन (केवल एनबीआर गांठे)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	123	121	137
क्षमता उपयोग-%	****	****	****	****
सूचीकृत	100	97	92	106

80. घरेलू उद्योग के उत्पाद आंकड़ों से विदित होता है कि वर्ष 2001-02 में काफी क्षमता वृद्धि रही है और उसके बाद मौजूदा क्षमता में मुख्य रूप से अवरोध समाप्त होने के कारण वृद्धि रही। घरेलू उद्योग ने भी आधार वर्ष की तुलना में अपने उत्पादन में सुधार किया है। क्षमता उपयोग में भी मामूली सुधार हुआ है। किंतु क्षमता वृद्धि तथा उत्पादन की भी घरेलू बाजार में मांग वृद्धि और घरेलू बाजार में बिक्री हेतु घरेलू उद्योग की सामर्थ्य के संदर्भ में जांच की जानी रहती है।
81. यह संज्ञान में आया है कि भारत में एनबीआर की मांग में लगभग 47% की काफी वृद्धि दर्शाई गई है। घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि मांग में सतत सकारात्मक संचलन को देखते हुए उन्होंने अपनी क्षमता को अवरोध समाप्त करके संयंत्र क्षमता में वृद्धि कर दी और उस पर लगभग \*\*\*\* करोड़ रु. का पूंजी निवेश कर दिया और अपनी क्षमता 6250 मी.टन से बढ़ाकर 8800 मी.टन कर दी। किंतु वे अपने उत्पादन को अपेक्षतया अधिक मांग के बावजूद अपनी बिक्रियों में वृद्धि करने के लिए अपनी असामर्थ्य के परिणामस्वरूप क्षमता में समानुपात वृद्धि नहीं कर सके। यह भी नोट किया जाता है कि अपेक्षतया अधिक मांग के बावजूद घरेलू उद्योग के पास अभी भी लगभग 10% अतिरिक्त क्षमता मौजूद है जिसका पूर्ण रूप से उपयोग नहीं हो सका है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि प्रतिकूल एनबीआर प्रचालनों के फलस्वरूप उक्त संयंत्र का उपयोग गैर-एनबीआर उत्पादों के उत्पादन के लिए किया गया है ताकि निर्धारित अतिरिक्त व्यय लागतों की आंशिक वसूली की जा सके।

## ख) घरेलू उद्योग की बिक्रियां

मात्रा: मी.टन

विवरण	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04 (जांच अवधि)
प्रारंभिक स्टॉक	****	****	****	****
सूचीकृत	100	42	145	136
उत्पादन	****	****	****	****
सूचीकृत	100	123	121	149
घरेलू बिक्री	****	****	****	****
सूचीकृत	100	114	118	133
निर्यात बिक्री	****	****	****	****
सूचीकृत	100	136	138	179
कैप्टिव खपत	****	****	****	****
सूचीकृत	100	80	98	101
अंतिम स्टॉक	****	****	****	****
सूचीकृत	100	341	315	354

82. उपरोक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि हालांकि उत्पादन में आधार वर्ष की तुलना में लगभग 49% की वृद्धि और उससे पिछले वर्ष की तुलना में 18% की वृद्धि हुई है लेकिन घरेलू बिक्रियों में तदनुरूपी वर्षों के दौरान यह वृद्धि 33% तथा 15% की रही है। बिक्रियों में प्रमुख वृद्धि निर्यात खंड में रही है हालांकि निर्यात मात्रा इस दौरान कम रही है। निर्यात आंकड़ों में माल सूची में पर्याप्त वृद्धि परिलक्षित होती है क्योंकि अंतिम स्टॉक में 254% की वृद्धि रही है।

## ग) मांग तथा बाजार हिस्सा

विवरण	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04
घरेलू उत्पादन	****	****	****	****
सूचीकृत	100	130	130	149
संबद्ध देशों से आयात	633.16	847.06	1708.51	2343.49

सूचीकृत	100	133.78	269.84	370.12
अन्य देशों से आयात	2580.57	2975.39	3326.62	4357.19
सूचीकृत	100'	115.30	128.91	168.85
कुल आयात	3213.73	3822.45	5035.12	6700.67
प्रवृत्ति	100	126	166	209
कुल घरेलू बिक्रियां	****	****	****	****
सूचीकृत	100	114	118	133
कैप्टिव खपत	****	****	****	****
कुल घरेलू मांग	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	114	131	159
मांग में हिस्सा				
घरेलू उद्योग	54.38%	54.76%	48.97%	45.36%
संबद्ध देश	7.52%	8.86%	15.43%	17.45%
अन्य	30.64%	31.10%	30.05%	32.45%
कैप्टिव खपत	7.45%	5.28%	5.55%	4.74%
मांग में आयातों का कुल हिस्सा	38.13%	39.96%	45.38%	49.90%

83. विचाराधीन उत्पाद की कुल घरेलू मांग में आधार वर्ष से लगभग 59% की वृद्धि रही है लेकिन कुल मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा उसी अवधि के दौरान 55% से घटकर 45% रह गया। किंतु आयातों का हिस्सा और संबद्ध देशों से होने वाले पाटित आयातों के हिस्से में 7% से 17% तक की पर्याप्त वृद्धि रही है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन तथा बिक्रियों में वृद्धि के बावजूद उसे बाजार हिस्से का काफी नुकसान हुआ है जबकि कुल आयातों तथा पाटित आयातों के हिस्से में 10% से भी अधिक की वृद्धि रही है। इस अनंतिम जांच से इंगित होता है कि संबद्ध देशों/क्षेत्रों से हुए पाटित आयातों की मात्रा में संपूर्ण रूप में और कुल मांग में वृद्धि के रूप में दोनों तरह से काफी वृद्धि रही है। अतः पाटित आयातों की वजह से घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

## (ख) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

84. संबद्ध देशों/क्षेत्रों से हुए पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम दाम पर बिक्री कीमत, कीमत दबाव तथा कीमत मंदी, यदि कोई हो के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री वसूली (एनएसआर) और अक्षतिकारी कीमत (एनआईपी) (जिसकी गणना घरेलू उद्योग की लागत निर्धारण जानकारी को सामान्यकृत करके की गई) की तुलना संबद्ध देशों से हुए आयातों की लैंडेड लागत से की गई है।

## (i) कीमत कटौती तथा कम दाम पर बिक्री के प्रभाव

कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री					
विवरण		2000-01	2001-02	2002-03	2003-04
उत्पादन लागत	रु./मी.टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	82.06	90.44	89.91
बिक्री कीमत	रु./मी.टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	99	92	96
लैंडेड कीमत					
ईयू	रु./मी.टन	85417.73	95262.55	80768.24	77132.14
ब्राजील	रु./मी.टन	62394.59	74330.72	70184.28	73307.80
मेक्सिको	रु./मी.टन	32257.42	47868.34	34578.20	46884.19
संबद्ध देश	रु./मी.टन	79132.98	83374.90	75948.56	73862.44
(संचित)					
सभी पाटित आयात	रु./मी.टन	78178.42	80337.72	77108.14	74016.20
(संचित)					
कीमत कटौती					
ईयू	रु./मी.टन	****	****	****	0-10%
ब्राजील	रु./मी.टन	****	****	****	5-15%
मेक्सिको	रु./मी.टन	****	****	****	5 0-75%
संबद्ध देश	रु./मी.टन	****	****	****	5-15%
(संचित)		****	****	****	

105241/88-10

सभी पाटित आयात (संचित)	रु./मी.टन	****	****	****	0-10%
एनआईपी	रु./मी.टन				
कम कीमत पर बिक्री					
ईयू	रु./मी.टन				0-10%
ब्राजील	रु./मी.टन				5-15%
मेक्सिको	रु./मी.टन				5 0-75%
संबद्ध देश (संचित)	रु./मी.टन				5-15%
सभी पाटित आयात (संचित)	रु./मी.टन				5-15%

85. घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत(निवल बिक्री वसूली) में पर्याप्त गिरावट परिलक्षित होती है हालांकि उत्पादन लागत में वर्ष 2001-02 में काफी गिरावट दर्शाने के बाद काफी वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग अपनी पूर्ण उत्पादन लागत को वसूल करने के लिए अपनी कीमतें लाभकारी स्तर तक बढ़ाने में असमर्थ रहा है।
86. कीमत कटौती का निर्धारण संबद्ध देशों/क्षेत्रों से हुए पाटित आयातों के भारित औसत लैंडेड मूल्य की तुलना इसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री वसूली से करने के बाद किया गया है। इस प्रयोजनार्थ आयातों के लैंडेड मूल्य की गणना संबद्ध देश की आयात कीमतों के डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों में बताए गए मूल्य में 1% सुपुर्दगी प्रभार और लागू आधारिक सीमाशुल्क को जोड़कर की गई है।
87. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली के निर्धारण में घरेलू उद्योग द्वारा ऑफर की गई छूटों, डिसकाउंट और कमीशन तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की छूट दी गई है।
88. कम दाम पर बिक्री के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों/क्षेत्रों से हुए आयातों की भारित औसत लैंडेड कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान निर्धारित घरेलू उद्योग की अक्षतिकारी कीमत और शेष वर्षों के लिए उत्पादन लागत से की गई है।

89. प्राधिकारी नोट करता है कि संबद्ध देशों/क्षेत्रों से हुए आयात घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली और घरेलू उद्योग के लिए अनुमानित अक्षतिकारी कीमत से कम स्तर पर रहे हैं। इस प्रकार, काफी कीमत कटौती तथा कम दाम पर बिक्री रही है।

**(ii) पाटित आयातों से कीमत दबाव तथा मंदी संबंधी प्रभाव**

90. पाटित आयातों के कीमत दबाव प्रभाव संबंधी जांच संबद्ध देशों की उत्पादन लागत, निवल बिक्री वसूली और लैंडेड मूल्य के संदर्भ में की गई है।
91. संबद्ध माल की उत्पादन लागत की प्रवृत्ति से वर्ष 2001-02 में काफी गिरावट दर्शाने के बाद पर्याप्त वृद्धि दर्शाई गई है। उत्पादन लागत में वृद्धि कच्चे माल की लागत में वृद्धि होने के कारण काफी रही है जिनका उत्पादन लागत में प्रमुख हिस्सा है। किंतु, घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली के रुख में वर्ष 2000-01 तथा 2002-03 के बीच काफी गिरावट परिलक्षित होती है और जांच-अवधि के दौरान मामूली वृद्धि दिखाई देती है लेकिन यह अब भी उत्पादन लागत से काफी कम है और इसमें संबद्ध देशों/क्षेत्रों से हुए पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के कारण अपनी पूरी लागत वसूल करने हेतु अपनी कीमतें बढ़ाने में घरेलू उद्योग की असामर्थ्य इंगित होती है। वास्तव में, ऐसा प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें पाटित स्रोतों के लैंडेड मूल्य से बेंच मार्क करने हेतु बाध्य होना पड़ा ताकि वह अपना बाजार हिस्सा कायम रख सके। अतः प्राधिकारी यह निर्णय देता है कि संबद्ध देशों/क्षेत्रों से हुए पाटित आयातों के फलस्वरूप घरेलू उद्योग की कीमतों पर काफी कीमत दबाव तथा मंदी के प्रभाव पड़े हैं।

**ज.4 अन्य क्षतिकारकों की जांच**

92. घरेलू उद्योग की मात्रा तथा कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और घरेलू उद्योग की आयात मात्रा तथा मूल्य, क्षमता, उत्पाद, क्षमता उपयोग तथा बिक्रियों जैसे प्रमुख क्षति संकेतकों और पिछले भाग में विभिन्न खंडों के बाजार हिस्सों के साथ मांग पैटर्न की जांच किए जाने के बाद अन्य आर्थिक कारकों जिससे घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति होना इंगित होता है, का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है:

## i) उत्पादकता

विवरण	इकाई	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04 (जांच अवधि)
उत्पादकता	प्रति कर्मचारी	*****	*****	*****	*****
सूचीकृत		100.00	124.18	124.35	145.99
उत्पादकता	मी.टन/दिन	*****	*****	*****	*****
सूचीकृत		100	123.21	120.54	136.89

उत्पादकता प्रति दिन-(विचाराधीन उत्पादन के एक वर्ष में 360 दिन मानकर )

93. घरेलू उद्योग की उत्पादकता को उसके उत्पादन की श्रमिक उत्पादकता और दैनिक उत्पादन के रूप में मापा गया है और यह संज्ञान में आया है कि उत्पादकता में काफी सुधार हुआ है। ऐसा प्रतीत होता है कि इस उद्योग ने लागत कटौती करने और प्रतिस्पर्धी बने रहने के उद्देश्य से अपनी उत्पादकता में सुधार करने का प्रयास किया है। किंतु इस बढ़ी हुई उत्पादकता के फलस्वरूप इसकी बिक्रियों में कम वसूली होने के कारण उत्पादकता नहीं बढ़ पाई है।

## ii) लाभ तथा नकद प्रवाह पर वार्षिक एवं संभाव्य प्रभाव

94. घरेलू उद्योग के अपने घरेलू प्रचालनों से कुल राजस्व तथा नकद प्रवाह में घरेलू उत्पादन तथा बिक्रियों में वृद्धि के कारण मामूली सुधार परिलक्षित होता है किंतु इस उद्योग को वर्ष 2001-02 को छोड़कर प्रति इकाई वसूली में गिरावट के कारण जांच अवधि के दौरान क्षति का होना जारी रहा। इन आंकड़ों में सुधार परिलक्षित होने के बावजूद अनेक कारकों के कार्य-निष्पादन में यह उद्योग पाटित आयातों के मौजूदा कीमत स्तर के कारण अपनी लागत वसूल करने के लिए एक उचित कीमत प्राप्त करने में असमर्थ रहा है।

विवरण	इकाई	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04
लाभ					
बिक्री लागत	रु./मी.टन	*****	*****	*****	*****
सूचीकृत		100	85.44	91.05	92.09



बिक्री कीमत	रु./मी. टन	****	****	****	****
सूचीकृत		100	98.85	92.47	95.59
लाभ/हानि	रु./मी. टन	(****)	1422.42	(****)	(****)
सूचीकृत		( 100)	19.03	( 48.03)	( 13.49)
घरेलू बिक्रियों पर कुल लाभ/हानि	रु./मी. टन	(****)	****	(****)	(****)
सूचीकृत		( 100)	55.46	( 84.58)	( 58.05)
मूल्य ह्रास	लाख रु.	****	****	****	****
सूचीकृत		100	100.09	96.49	98.38
एनबीआर से नकद लाभ/हानि	लाख रु.	****	****	****	****
सूचीकृत		( 100)	325.69	( 63.89)	( 12.01)

### iii) रोजगार तथा मजदूरियां

95. रोजगार स्तर में मामूली गिरावट आई है। लेकिन वेतन तथा मजदूरियों के कारण व्यय में लगभग 20% की वृद्धि रही है। किंतु, वेतन तथा मजदूरी के संबंध में व्यय में वृद्धि तुलनीय अवधियों के दौरान उत्पादन में वृद्धि से कम ज्यादा रही है।

विवरण	इकाई	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04
रोजगार					
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	104.51	104.51	102.26
मजदूरी	लाख रु.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	107.94	113.79	120.15
प्रति कर्मचारी मजदूरी	लाख रु.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	103.28	108.88	117.50

1052 41/05-11

## iv) पूंजी निवेश पर आय और पूंजी लेने की सामर्थ्य

96. घरेलू उद्योग के वित्तीय कार्य-निष्पादन का भी उसके नकद प्रवाह तथा पूंजी पर आय के संदर्भ में विश्लेषण किया गया है। इच्छुक पक्षकारों ने तर्क दिया है कि कंपनी के समग्र कार्य-निष्पादन में सुधार हुआ है। किंतु प्राधिकारी नोट करता है कि हालांकि कंपनी का समग्र कार्य-निष्पादन अच्छा है लेकिन उसके एनबीआर प्रचालन से उसके लाभ में वर्ष 2001-02 में लाभ दिखाने के बाद कार्य-निष्पादन की स्थिति बिगड़ गई है। घरेलू उद्योग द्वारा लगाई गई पूंजी पर आय आधार वर्ष और पिछले वर्षों की तुलना में स्थिति बिगड़ गई।

लाख रु.

विवरण	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04 जांच अवधि
लगाई गई पूंजी- एनएफए + क्रियाशील पूंजी	****	****	****	****
सूचीकृत	100	96.33	101.84	100.52
लाभ	(****)	****	(****)	(****)
सूचीकृत	( 100.00)	( 55.46)	( 84.58)	( 58.05)
ब्याज	****	****	****	****
सूचीकृत	100.00	120.79	106.48	75.78
पीबीआईटी	****	****	****	****
सूचीकृत	100.00	445.27	146.79	108.42
लगाई गई पूंजी पर आय-एनएफए + क्रियाशील पूंजी	****	****	****	****
सूचीकृत	100	462.23	144.14	107.86

## v) पूंजी निवेश

97. प्राधिकारी नोट करता है कि घरेलू उद्योग ने लगभग 14 करोड़ रुपये की पूंजी निवेश से अपनी मौजूदा क्षमता के अवरोध समाप्त करके अपनी क्षमता 6250

मी.टन से बढ़ाकर 8800 मी.टन कर दी । जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा और आगे कोई नया पूंजी निवेश नहीं किया गया है और जैसाकि उन्होंने निवेदन किया है, उनकी आगे और कोई पूंजी निवेश करने की योजना नहीं है ।

#### vi) पाटन की मात्रा

98. पाटन की मात्रा उस सीमा के संकेतक के रूप में जिससे पाटित आयात से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, से यह परिलक्षित होता है कि जांच-अवधि के लिए ऊपर उल्लिखित देशों/क्षेत्रों के विरुद्ध निर्धारित पाटन-मार्जिन काफी रहा है ।

#### vii) कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कारक

99. लागत ढांचे में परिवर्तन, यदि कोई हो, घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा और प्रतिस्पर्धी प्रतिस्थापनों की कीमतों की जांच की गई है ताकि घरेलू बाजार की कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले पाटित आयातों से इतर कारकों का विश्लेषण किया जा सके । प्राधिकारी नोट करता है कि संबद्ध देशों/क्षेत्रों से आयातित माल के लैंडेड मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम रहे हैं जिससे भारतीय बाजार में जबरदस्त कीमत कटौती आई है । प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि इस उत्पादक का कोई अर्थक्षम प्रतिस्थापन उपलब्ध नहीं है और मैसर्स अपार इंडस्ट्री ही भारत में संबद्ध माल का एकमात्र उत्पादक है । अतः घरेलू प्रतिस्पर्धा से कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है ।
100. प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि परस्पर तथा घरेलू उत्पादों से प्रतिस्पर्धा करने वाले अनेक स्रोतों से हुए पाटित आयातों से साथ-साथ घरेलू बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है जिनके संबंध में संचयी क्षति विश्लेषण किया गया है । यह भी नोट किया जाता है कि इस उत्पाद की घरेलू बाजार में अच्छी मांग है ।
101. एक्रीलोनिट्राइट(एसीएन) और बुटाडीन (बीडी) एनबीआर के उत्पादन के लिए दो प्रमुख कच्चा माल होते हैं । इन दोनों मोनोमर्स की कीमतों में विश्वव्यापी वृद्धि हुई है । प्रमुख कच्चे माल की कीमतों में यह वृद्धि क्षति अवधि के लिए घरेलू उद्योग के संबंध में उत्पादन लागत में वृद्धि से परिलक्षित होती है । किंतु, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में क्षति अवधि के दौरान गिरावट रही ।

## viii) मालसूची

विवरण	इकाई	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04
मालसूची -अवधि के अंत में	मी.टन	****	****	****	****
सूचीकृत		100	341	315	213
उत्पादन के % के रूप में मालसूची	सूचीकृत	100	278.02	263.87	259.33

102. उपरोक्त आंकड़े संपूर्ण रूप में मालसूची में मामूली वृद्धि इंगित करते हैं हालांकि उत्पादन % के रूप में इसमें पिछले वर्ष की तुलना में मामूली गिरावट परिलक्षित होती है। लेकिन आधार वर्ष की तुलना में इन दोनों में काफी वृद्धि दर्शाई गई जिससे मालसूची सुदृढीकरण पर्याप्त रूप से इंगित होता है।

## ज.5 क्षतिकारकों के संबंध में निष्कर्ष

103. उपरोक्त आर्थिक कारकों की जांच से यह इंगित होता है कि यद्यपि यह प्रतीत होता कि घरेलू उद्योग ने उत्पादन तथा बिक्री मात्रा सहित अनेक कारकों में अपने निष्पादन में सुधार किया है लेकिन यह उसकी लाभप्रदता में सुधार में रूपांतरित नहीं हुआ है और यह इस उद्योग को अपने घरेलू प्रचालन में अभी भी हानि होती है। अतः ऐसा प्रतीत होता है कि पाटित आयातों की मात्रा तथा कीमत प्रभाव के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर काफी प्रभाव पड़ा है जिस कारण उसे अपनी कीमतें उत्पादन लागत से कम स्तर पर रखने को बाध्य होना पड़ा और घरेलू उद्योग को उसके एनबीआर प्रचालन में प्रणाली हानि हुई है।

## ज.6 अन्य ज्ञात कारक तथा कारणात्मक संबंध

104. इच्छुक पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को क्षति, यदि कोई हो, उसकी अपनी अकुशलता और खर्चीले संयंत्र आकार के कारण हुई है और इसे संबद्ध देशों/क्षेत्रों से हुए पाटित आयातों के ऊपर नहीं थोपा जा सकता है।

105. उपरोक्त विश्लेषण यह इंगित करता है कि संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों की मात्रा में संपूर्ण रूप में तथा मांग में हिस्से दोनों रूपों में पर्याप्त वृद्धि हुई है। इन देशों/क्षेत्रों से होने वाले आयातों में वृद्धि से बाकी तथा अन्य स्रोतों से हुए पाटित आयातों की तुलना में अपेक्षतया अधिक तीव्र वृद्धि परिलक्षित होती है और इन स्रोतों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा काफी विचलित हुआ है। संबद्ध देशों से होने वाले पाटित आयातों के लैंडेड मूल्य से घरेलू उद्योग की कीमतों पर काफी कीमत कटौती तथा कम दाम पर बिक्री का दबाव पड़ा है जिससे घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें अपने बाजार हिस्से तथा घरेलू उद्योग में बिक्री मात्रा को बनाए रखने के उद्देश्य से कम स्तर पर रखने को बाध्य होना पड़ा। इससे यह भी परिलक्षित होता है कि उत्पादन तथा बिक्री मात्रा में सुधार घरेलू उद्योग के लिए लाभ में परिवर्तित नहीं हुआ है क्योंकि पाटित आयातों की कीमतों का दबाव रहा है जिससे पाटित आयातों तथा मात्रा और कीमत प्रभावों के कारण हुई क्षति के बीच स्पष्ट कारणात्मक संबंध साबित होता है।

106. किंतु, इन तर्कों के मद्देनजर प्राधिकारी ने कारणात्मक संबंध तथा अन्य असंबद्ध कारकों के मुद्दे की जांच की है, जैसाकि उपर्युक्त नियमावली में यथाविहित है, ताकि अन्वय कारकों की वजह से हुई क्षति, यदि कोई हो, को अलग किया जा सके। इस संबंध में उपर्युक्त नियमावली में यथाविहित निम्नालिखित संकेतात्मक कारण की जांच की गई है:

i) अन्य स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा तथा कीमतें

107. प्राधिकारी नोट करता है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों/क्षेत्रों को छोड़कर जापान, कोरिया, जर्मनी तथा चीनी ताइपेई सहित अनेक अन्य देशों से आयात हुए हैं जिनके विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क लागू है और यह मात्रा भी काफी है। यह भी नोट किया जाता है कि एक अलग जांच में प्राधिकारी ने कोरिया तथा जर्मनी से पाटन तथा क्षति जारी रहने के संबंध में निष्कर्ष दिया है। अतः सभी पाटित स्रोतों से होने वाले आयातों की जांच संचयी आधार पर की गई है जिससे घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का विश्लेषण किया जा सके। प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि प्रदत्त पाटनरोधी शुल्क तथा इस शुल्क वाले स्रोतों से आयातित माल का लैंडेड मूल्य मौजूदा जांच में शामिल देशों से आयातित माल के लैंडेड मूल्य से अधिक है। अतः अन्य स्रोतों से होने वाले आयातों के कारण हुई क्षति संबद्ध देशों/क्षेत्रों से पाटित आयात को नहीं माना गया है।

ii) मांग में कमी और/अथवा खपत के पैटर्न में बदलाव

108. विचाराधीन उत्पाद की कुल घरेलू मांग में जांच अवधि के दौरान आधार वर्ष की तुलना में लगभग 59% की काफी बड़ी वृद्धि दर्शाई गई है। घरेलू बाजार में इस उत्पाद के खपत पैटर्न में ऐसा कोई ज्यादा बदलाव नहीं आया है जोकि घरेलू उद्योग को हो रही क्षति का कारण बन सके।

iii) व्यापार की प्रतिबंधात्मक पद्धतियां और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतस्पर्धा

109. इच्छुक पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि एकमात्र घरेलू उत्पादक पाटनरोधी शुल्क लगवाकर प्रतिस्पर्धा रोकते हुए एकाधिकार का बाजार तैयार करने का प्रयास कर रहा है। प्राधिकारी नोट करता है कि संबद्ध माल का आयात मुक्त रूप से हो सकता है और घरेलू बाजार में इसकी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां नहीं हैं। मै0 अपार इंडस्ट्रीज लिमिटेड ही देश में संबद्ध माल का एकमात्र उत्पादक है। देश में उचित व्यापार पर कोई प्रतिबंध नहीं लगा हुआ है और विभिन्न देशों से संबद्ध माल का आयात होता है और वह घरेलू उत्पादक के साथ प्रतिस्पर्धा करता है। किंतु विभिन्न स्रोतों से हो रहे आयात का प्रमुख भाग या तो पाटित आयातों के रूप में निर्धारित किया गया है अथवा वह पाटन के आरोप के संबंध में जांच के अधीन होता है। अतः प्राधिकारी नोट करता है कि घरेलू उत्पादक संबद्ध देशों/क्षेत्रों सहित अनेक देशों से अनुचित प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहा है और घरेलू उद्योग को हो रही मौजूदा क्षति व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियों अथवा विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच उचित प्रतिस्पर्धा का कारण नहीं बन सकती है।

iv) प्रौद्योगिकी का विकास तथा निर्यात निष्पादन

110. इच्छुक पक्षकारों ने तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग का अकुशल संयंत्र आकार उसे हो रही क्षति का एक कारण हो सकता है। संबद्ध देशों में सहयोगकारी विदेशी उत्पादक की उत्पादन सुविधाओं की भी पड़ताल की गई और यह देखा गया कि वे उत्पादक उसी तरह ही उत्पादन प्रौद्योगिकी को लागू करते हैं। वास्तव में, विश्व के अधिकांश उत्पादक गुडइयर जैसे प्रौद्योगिकी की अग्रणीय संस्थाओं द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हैं। इन उत्पादकों की उत्पादन क्षमता तथा

मात्रा का भी सत्यापन किया गया । कोरियाई उत्पादक को छोड़कर इन उत्पादकों की क्षमता भारत के घरेलू उत्पादक की क्षमता से ज्यादा भिन्न नहीं है । अतः घरेलू उद्योग की अकुशल क्षमता अथवा प्रौद्योगिकी विकास अथवा उत्पादन की अकुशल पद्धति के तर्क को घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का एक कारण नहीं माना जा सकता ।

111. प्राधिकारी नोट करता है कि घरेलू उद्योग का विचाराधीन उत्पाद का बहुत ही छोटा निर्यात कारोबार होता है, हालांकि इसने जांच अवधि के दौरान सतत वृद्धि दर्शाई है । अतः घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन बहुत ही कम महत्वपूर्ण है और इससे घरेलू उद्योग के निष्पादन पर जारी प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है । अतः निर्यात निष्पादन को घरेलू उद्योग को हो रही क्षति का एक कारण नहीं माना जा सकता है ।

#### v) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

112. श्रमिक उत्पादन तथा दैनिक उत्पादन की दृष्टि से घरेलू उद्योग की उत्पादकता में काफी सुधार दर्शाया गया है । अतः उत्पादकता एक ऐसा कारक नहीं है जो घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का कारण बन सके । वास्तव में, घरेलू उद्योग ने अपनी उत्पादकता में सुधार करते हुए अपने घरेलू प्रचालन में होने वाली हानि को कम करने का प्रयास किया है ।
113. ऐसा कोई अन्य कारक प्राधिकारी के ध्यान में नहीं लाया गया है जिससे घरेलू उद्योग को हो रही हानि की संभावना होती हो ।
114. उपर्युक्त जांच के आधार पर यह निष्कर्ष दिया जाता है कि संबद्ध देशों/क्षेत्रों से निर्यातित संबद्ध माल की कीमतें उनके सामान्य मूल्य, घरेलू उद्योग की अक्षतिकारी कीमत और याचिकाकर्ता के संबद्ध माल की औसत बिक्री वसूली कीमत से कम है और इस संबंध में पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंधों को स्पष्ट रूप से साबित किया गया है ।

### झ. क्षति की मात्रा तथा क्षति मार्जिन

115. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित अक्षतिकारी कीमत की तुलना क्षति मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ उक्त निर्यातों के लैंडेड मूल्य से की गई है। संबद्ध देशों से हुए निर्यातों की भारत औसत लैंडेड कीमत और क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है:

रु./मी.टन

#### क्षति मार्जिन की गणना

कंपनी	लैंडेड मूल्य	एनआईपी	क्षति मार्जिन
पेट्रोफ्लेक्स	****	****	****
निट्रिफ्लेक्स	****	****	****
ब्राजील -अन्य	****	****	****
ईयू	****	****	****
मेक्सिको	****	****	****

### ट. निष्कर्ष

116. इच्छुक पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों और किए गए निवेदनों और प्राधिकारी के पास इच्छुक पक्षकारों के निवेदनों की मार्फत अथवा अन्यथा जैसाकि उपरोक्त जांच पारेणामों में उल्लेख किया गया है, की जांच करने के पश्चात और पाटन तथा क्षति की सीमा के संबंध में उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निर्णय देता है कि:-
- संबद्ध देशों/क्षेत्रों से आयातित संबद्ध माल के पाटन मार्जिन पर्याप्त तथा न्यूनतम से अधिक हैं;
  - घरेलू उद्योग को बाजार हिस्से की हानि, कम क्षमता उपयोग तथा लाभप्रदता की दृष्टि से वास्तविक क्षति होती है;
  - और घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों/क्षेत्रों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध माल के पाटित आयातों के मात्रा एवं कीमत प्रभाव दोनों रूपों में क्षति हुई है।

### ठ. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

117. प्राधिकारी नोट करता है कि पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्य रूप में यपाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों द्वारा घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को समाप्त करना होता



है जिससे भारतीय बाजार में मुक्त तथा उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनर्स्थापित हो सके जोकि देश के सामान्य हित में जरूरी है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देश रहे होने वाले आयात किसी भी तरह से रोके नहीं जा सकेंगे और इसीलिए उनका उपभोक्ताओं को इन उत्पादों की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

#### ड. सिफारिशें

118. प्राधिकारी नोट करता है कि जांच आरंभ की गई और इसे सभी इच्छुक पक्षकारों को अधिसूचित किया गया। निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य इच्छुक पक्षकारों को इस बात का पर्याप्त अवसर दिया गया कि वे पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंधों पहलुओं पर सकारात्मक जानकारी प्रदान करें। उपरोक्त यथाविहित नियमावली के अनुसार पाटन, क्षति तथा पाटन और घरेलू उद्योग को हो रही क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों की जांच आरंभ करने और प्रारंभिक जांच के पश्चात और संबद्ध देशों के विरुद्ध सकारात्मक पाटन मार्जिन को अनंतिम रूप से साबित करने तथा साथ ही ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति को देखते हुए प्राधिकारी का विचार है कि जांच पूरी होने तक पाटन तथा क्षति को समाप्त करने के प्रयोजनार्थ अनंतिम शुल्क लगाया जाना अपेक्षित है।
119. अतः प्राधिकारी इस आवश्यक समझता है और नीचे वर्णित रूप तथा तरीके में संबद्ध देशों/क्षेत्रों से संबद्ध माल के आयात पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करता है।
120. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए अपेक्षतया कम शुल्क वाले नियम को देखते हुए, प्राधिकारी पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन से कम राशि के अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करता है ताकि घरेलू उद्योग को हो रही क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध माल के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कालम 9 में इंगित राशि के बराबर राशि का अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

### ढ. अगली प्रक्रिया:

121. प्रारंभिक जांच-परिणामों को अधिसूचित किए जाने के पश्चात् निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:-

- (क) प्राधिकारी इन जांच परिणामों पर सभी इच्छुक पक्षकारों से टिप्पणियां आमंत्रित करता है ;  
 (ख) संबंधित ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता तथा अन्य इच्छुक पक्षकारों को प्राधिकारी द्वारा अलग-अलग पत्र भेजे जा रहे हैं जो उक्त आशय के पत्र के जारी होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने-अपने विचार प्रस्तुत कर सकेंगे । कोई अन्य पक्षकार भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने-अपने विचार प्रस्तुत कर सकेंगे;  
 (ग) प्राधिकारी यथा-आवश्यकतानुसार वांछित सीमा तक और आगे पड़ताल करेगा;  
 (घ) प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों का खुलासा अंतिम जांच परिणामों की घोषणा से पहले करेगा।

### शुल्क तालिका

क्र.सं.	उप-शीर्ष अथवा टैरिफ मद	माल विवरण का	विशेष विवरण	उदभव का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	4002 59 अथवा अन्य कोई सीमा शीर्ष	एथरीलो नाइट्राइल बुलडिग रबर (एनबीआर) (पाउडर और रोलरबॉमरलेटेड एनबीआर को छोड़कर)	गठ के रूप में	ब्राजील	ब्राजील	मै0 पेद्रोफ्लेक्स, ब्राजील	कोई	136.47	मी. टन	अम. डा.
2	वही-	वही	वही	ब्राजील	ब्राजील	मै0 नाइट्रोफ्लेक्स, ब्राजील	कोई	215.90	मी. टन	अम. डा.
3	वही-	वही	वही	ब्राजील	ब्राजील	कोई	कोई	220.73	मी. टन	अम. डा.
4	वही	वही	वही	ब्राजील	कोई	कोई	कोई	220.73	मी. टन	अम. डा.
5	वही-	वही	वही	कोई	ब्राजील	कोई	कोई	220.73	मी. टन	अम. डा.
6	वही	वही	वही	ईयू (जर्मनी को छोड़कर)	ईयू (जर्मनी को छोड़कर)	कोई	कोई	164.57	मी. टन	अम. डा.
7	वही-	वही	वही	ईयू (जर्मनी को छोड़कर)	कोई	कोई	कोई	164.57	मी. टन	अम. डा.

8	-वही-	-वही	-वही	कोई	ईयू (जर्मनी को छोड़कर)	कोई	कोई	164.57	मी. टन	अम. डा.
9	-वही-	-वही	-वही	मेक्सिको	मेक्सिको	कोई	कोई	304.37	मी. टन	अम. डा.
10	-वही-	-वही	-वही	मेक्सिको	कोई	कोई	कोई	304.37	मी. टन	अम. डा.
11	-वही-	-वही	-वही	कोई	मेक्सिको	कोई	कोई	304.37	मी. टन	अम. डा.

क्रिस्टी फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 30th March, 2005

**Preliminary Findings**

**Subject: Antidumping investigation involving import of Acrylonitrile Butadiene Rubber (NBR) from the European Union (Excluding Germany), Mexico and Brazil**

**NO.14/32/2003-DGAD :** - Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

2. Whereas M/s Apar Industries Ltd. (herein after referred to as the Applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as this Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred as Rules), alleging dumping of Acrylonitrile Butadiene Rubber or NBR (herein after referred to as subject goods), originating in or exported from the European Union (excluding Germany), Brazil and Mexico (herein after referred to as subject countries/territories) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods.

3. AND WHEREAS, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner M/S Apar Industries. on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 17<sup>th</sup> August 2004 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries/territories in accordance with the sub-Rule 5(5) of the Rules to

determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

**A. Procedure**

4. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigation by the Authority.

- (i) The Designated Authority sent copies of initiation notifications dated 17<sup>th</sup> August, 2004 to the Embassies/representatives of the subject countries/territories in India, known exporters from the subject countries, importers and the domestic industry as per the list available and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- (ii) Copies of the non-confidential version of the petition filed by the domestic industry were made available to the known exporters and the Embassies/High Commissions of the subject countries in accordance with Rules 6(3) supra.
- iii) The Embassies/High Commissions/ Representatives of the subject countries in New Delhi were informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporter was also sent to the Embassies/High Commissions of subject countries along with a list of known exporters/ producers.
- iv) The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the known exporters from subject countries as mentioned below in accordance with the rule 6(4):-
  - 1. Zeon Chemicals Europe Limited (ZCE)  
Hayes Road, Sully  
Vale of Glamorgan, CF64 5YU,  
United Kingdom
  - 2. Bayer Elastomeres  
BP 41, F-76610 La Wantzenau  
France
  - 3. Eliochem  
14, Av des Tropiques,  
S A De Courtabouef 2,  
91955, Les Ulis Cedex, France
  - 4. Enichem S P A (EN)

Elastomers and Styrenics Division  
Piazza Boldrini, 1  
200097, San Donato Milanese  
Italy

5. Bayer Rubber Belgium N.V. (BRD)  
Canadastraat 21,  
B-2070, Zwijndrecht  
Belgium
6. DSM Copolymer Inc. (DSMC)  
Postbus 43, 6130 AA,  
Sittard  
Netherlands
7. Nitriflex S.A. Industria e Comercio (NX)  
Rua Marumbi s/n  
Campos Eliseos, Duque de,  
Caxias - RJ - Brazil, CE - 25 - 240 - 260
8. Petroflex Industria e Comercio S.A. (PX)  
Rua Marumbi 600  
Campos Eliseos  
Duque de Caxias - RJ - 25221 - 000; Brazil
9. Paratec Elastimers LLC (PARA)  
Benson Road, Middlebury, CT 06749; Mexico
10. Industrias Negromex S.A. De C.V. (N)  
Bosque de Cirelos 180 3er Piso  
Bosque de las lomas, Mexico

v) In response to the above notification the following exporters from the subject countries/ territories filed their questionnaire responses.

- a) M/s Nitriflex, Brazil
- b) M/s Petroflex, Brazil
- c) M/s Lanxess Elastomere AG, Germany

vi) Questionnaires were sent to known importers and Consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4). However, only All India Federation of Rubber Footwear Manufacturers and All India Rubber Industries Association, Association of Butadiene & Styrene Based Industries, M/s Sebok International and M/s Gates India Pvt. Ltd filed brief comments during the course of the investigation. Their comments, to the extent they are relevant to the case, have been taken into consideration in this finding.

vii) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigations;

1052 GF/05-14

- viii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- ix) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the petitioner on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- x) The Authority also carried out verification of the cooperative exporter's data to the extent possible to determine the dumping margin.
- xi) \*\*\* in this Notification represents information furnished by the petitioner on confidential basis and so considered by Authority under the Rules;
- (xii) Investigation was carried out for the period starting from 1.4.2003 to 31.3.2004 (POI).

### C. Product under Consideration

5. The product under consideration in the present petition is Acrylonitrile Butadiene Rubber. Acrylonitrile Butadiene Rubber is a synthetic rubber and is popularly known as Nitrile Rubber or NBR in the market parlance. NBR is primarily used where oil resistance, abrasion resistance and heat resistance applications are involved. NBR is widely used in Defense, Automobile, Footwear, Fabrics, Printers, Oil field products industries etc

6. NBR can be of various grades and can be supplied in various forms. In terms of form, NBR can be categorized as Normal NBR, (in Bale form); Powder NBR, (in powder form); Carboxylated NBR (i.e. with a third monomer). Normal NBR is the most common form of NBR and is widely used. Depending upon acrylonitrile content and mooney viscosity, Normal NBR may be further divided into three types i.e. Low Nitrile, Medium Nitrile, High Nitrile NBR.

7. This investigation covers all grades of NBR in bale form only. Other forms of NBR exported from the subject countries are therefore, not covered under the product under consideration. A doubt was raised by the interested parties whether the product under consideration also covers Carboxylated NBR which is also manufactured in Bale form. It is clarified that the present investigation covers only normal NBR in bale form, which excludes powder NBR and carboxylated NBR. The domestic industry has also confirmed this as the scope of the product under investigation.

8. Acrylonitrile butadiene rubber (NBR) is classified in the category of rubber and articles thereof under chapter 40 of the Customs Tariff Act, and ITC HS Classification under the category of synthetic rubber under sub-heading no. 40.02 at four-digit level and under no. 4002.59 at six-digit level. Though the above is the dedicated head for NBR the Authority notes that import of NBR has been reported under other heads describing NBR merely as synthetic rubber. Therefore, Customs and ITC HS classifications are indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigation.

### C.1 Like Article

9. In terms of Article 2.6 of the Agreement the term "like product" ("produit similaire") shall be interpreted to mean a product which is identical, i.e. alike in all respects to the product under consideration, or in the absence of such a product, another product which, although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the product under consideration. For the purpose of determination of the normal value the exporters from Brazil have indicated their respective grades sold in the domestic market as well exported to India. Since identical grades are available in the domestic market compared to the grades exported to India for the purpose of determination of the dumping margin of the cooperating exporters the Authority has considered the identical products sold in the domestic market and exported to India as the like products and normal value has been worked out based on these grades only.

10. As far as all other exporters from Brazil, Mexico and the EU are concerned in the absence of details of the grades manufactured and sold in the domestic market the Authority notes that various grades of NBR are produced from the same general raw materials, employs the same basic production technology and follow through the same production process. Various types of NBR are employed for the same general purpose, i.e., to provide resistance to petroleum chemicals.

11. The applicant has also stated that they produce equivalent/comparable of all the grades being imported at present from the subject countries. The Indian industry has capacity and capability to produce equivalents of all those grades, which are being produced by the producers in the subject countries, even if some of them are not being exported to India at present.

12. It therefore, appears that there is no difference in the products produced by the domestic industry and imported from subject Countries/territories. The products are being directly imported by the user industries and also by traders for supply to other industries. The consumers are using the domestic and corresponding import products interchangeably. The products produced by the domestic industry and imported from subject Countries/territories being identical in all essential characteristics are treated as like articles within the meaning of the term as per the Rules.

13. The Authority has noted the arguments of the interested parties in respect of product under consideration and like article determination for the purpose of determination of normal value and export prices in the countries of exports and also for the purpose of imposition of the duty and holds that the normal value and dumping margin determination shall be done grade-wise for the exporters who have provided their data on grade basis before the weighted average dumping margin is established.

**D. Standing of the Domestic Industry and initiation of the investigation**

14. The petition has been filed by M/s. Apar Industries Ltd., Mumbai, which is the sole producer of the subject goods in India. The petitioner, therefore, accounts for complete production of subject goods in India and constitute domestic industry within the meaning of the Indian Antidumping Rules. Other interested parties have not raised any argument in this regard.

**E. De Minimis Limits**

15. Imports have been reported from several EU member countries. However, for the purpose of this investigation the EU has been taken as a single customs territory. As per the import data received by the Authority from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and other secondary sources the imports of the individual products from the USA, EU, China and Taiwan are above the de minimis level.

16. However, the Government of Mexico has submitted that as per their export statistics there is no export of the subject goods from Mexico to India during the POI. However, the Authority notes that the information available in the petition filed by the domestic industry indicates that there are at least two producers namely, M/s Paratec Elastomer LLC and M/s Industrias Negromax SA in Mexico. M/s Paratec's business consists of two companies: a company incorporated in Mexico called Para Tec S.A. de C.V. in care of manufacturing with technology acquired from its partner Uniroyal Chemical, with plant facilities located at Altamira, Tamaulipas, with a rated capacity of 40000 Metric Tons of NBR and a company called ParaTec Elastomers, LLC incorporated in the United States, in care of marketing its products worldwide under the trademark PARACRIL with the worldwide sales and distribution force coverage of UCC. The petitioner has also submitted some invoices which indicate the port of loading as Mexican port though the invoices have been drawn by the exporter in Los Angeles, USA. As per the import data available with the Authority Mexico has exported 207 MT of NBR of various grades to India during the POI



**F. Other submissions and issues raised****F.1 Domestic Industry**

17. The domestic industry had pleaded that imports of NBR have been reported under various heads of Customs and segregation of NBR is difficult from the DGCI&S transaction-wise data because of the fact that DGCI&S data does not reflect complete description of the product. Therefore, they have relied upon the import data published in the Plastics and Polymer Review (PPR) for the relevant period. The Authority has examined the transaction level data of DGCI&S and also the import data published by PPR, pruning the DGCI&S data of the unrelated products to the extent possible.

18. However, because of the description and classification problem highlighted above the data from these two sources show substantial differences. Moreover, the Authority notes that DGCIS data shows much lower imports from Korea compared to the export data provided by the cooperating exporter from that country in a parallel antidumping review investigation against that country. It is also noted that PPR does not report import through all ports. Therefore, for the Authority has taken note of the above data anomalies and has adopted the DGCI&S data after adjusting it for the imports from Korea based on data available with it.

**F.2 M/s. Petroflex, Brazil**

19. M/s Petroflex, one of the cooperative exporters from Brazil, in its preliminary submissions have commented on the level of non-confidential disclosures by the domestic industry and has argued that no investigation ought to have been initiated in the first instance for lack of proper disclosure of relevant figures and material. It has further argued that the DA has wrongly relied on Petitioner's data that is derived from a secondary source [Polymers, Plastics and Rubber Trade Intelligence (PPR)] for information relating to export of subject goods instead of relying on DGCI&S data. They have further argued that recourse to Anti-Dumping proceedings is essentially a remedial measure but the Petitioner has sought to use anti dumping proceedings only to establish its monopoly. They have argued that there is no injury to the domestic industry and the Petitioner has only sought to 'manipulate injury' where none exists, to initiate an investigation.

20. They have further argued that the sales channel and distribution process followed by Petroflex for sale of the subject goods exported for sale in the Indian Market are sold in the Indian market solely through Commissioned Agent(s). Thereby implying that the fixation of the end price of the subject goods for sale in India is not decided or controlled by Petroflex.

105242/05-15

### **F.3 M/s Nitriflex, Brazil**

21. M/s Nitriflex, the other cooperative exporter from Brazil, in its preliminary submissions has argued that the Designated Authority has erred in initiating the investigation on the basis of the prima facie wrong data submitted in the Petition on the issues relating to the quantum of imports, production, sales information. They have argued that the data provided in the Petition is in contravention to the data as verified by the Authority in the sunset investigation on the dumping of NBR from Korea, RP and Germany. They have further argued that evidence as to calculation of normal value in the Non Confidential version is incomplete and the Petitioner is unable to verify and comment upon the allegations of dumping of imports of the subject goods from Brazil. They have also submitted that methodology to calculate Normal value in Brazil has not been disclosed by the petitioner for others to counter the allegations made by the Petitioner. Therefore, the Petitioner has not fulfilled even the bare minimum requirement of providing non-confidential summaries of the information relied upon in arriving at the normal value and has significantly hampered the right of Nitriflex to defend itself in this investigation.

### **F.4 M/s Lanxess Elastmere**

22. M/s Lanxess Elastomere AG is the only exporter from the European Union who has partially cooperated in the investigation and has filed a part of the questionnaire response. In their preliminary submissions they have argued that the petitioner has kept the "estimates" of Normal Value, and estimates of expenses used in determining Export Price confidential. These being only estimates should not have been kept confidential. They have argued that the preliminary findings of the Authority should be issued only after disclosing these figures.

23. They have further argued that their facility in France has a capacity of \*\*\*\*\* metric tonnes dedicated to NBR only (excluding other polymers) whereas the exports to India comprise approximately \*\*\*\*\* metric tones. Therefore, they have argued that it is absurd even to suggest that Lanxess would restructure their entire business and shift production from Germany to France with the intention of servicing such a minute part of their business. The commencement of production of NBR from their plant in France and the closure of the production facilities for NBR in Germany was effective in 2002 as part of an exercise in corporate restructuring and rationalization and has nothing whatsoever to do with the imposition of anti-dumping duties in the previous NBR proceedings in 1997.

24. With regards to the allegation of antitrust proceedings against them in the USA the exporter has submitted that it is wrong to draw certain inferences from the fact that Bayer had made payments of penalties in certain proceedings in the USA with respect to pricing of NBR and attempted to state that the high price in the USA was meant to off set dumping prices in India. They have pleaded that

USA proceedings do not relate in any manner to any issues of dumping such as would establish that Bayer were following any systemic pattern of dumping

25. They have further argued that the petitioners also exported the product under investigation. No details with respect to the same, or the prices at which the same have been sold, have been provided.

26. Regarding their partial cooperation in the investigation the exporter has submitted that in view of the *ex facie* lack of merit in the petition and the failure to provide essential evidence of injury or causal link, the petition merits summary dismissal even assuming, whilst denying, that the information provided by them is insufficient.

27. The Authority has taken note of the submissions made by the exporters in respect of determination of their normal values and export prices of the products under consideration and the arguments on confidentiality.

#### **G. Determination of Dumping Margin**

28. The Authority notes that only two exporter from Brazil have fully cooperated in the investigation and submitted complete questionnaire responses, which have been duly verified by the Authority. Only one exporter from the European Union i.e M/s Lanxess AG, has filed a partial response. In response to the Authorities communication advising them to file complete response the exporter has not submitted any useful information about its domestic sales price and cost of production to estimate dumping margin, if any, with respect to its exports to India. No other exporter from these countries has filed any response to the initiation in respect of this product. For the purpose of the preliminary determination the Authority has examined the data submitted by the responding exporters as follows:

##### **G.1 Brazil**

29. The Authority has received full cooperation from two manufacturer-exporter from Brazil and their respective data has also been verified. On the basis of the submissions made by them and their data on normal value and export price the dumping margin for Brazil has been determined as follows;

##### **G.1.1 M/s Nitriflex, Brazil**

30. M/s Nitriflex, Brazil has filed a detailed questionnaire response to the investigation and based on their response and deficiencies therein certain additional information were also called for. The questionnaire response of this exporter and the data submitted therein were verified by the Authority. On the basis of the data submitted by this exporter the Authority has worked out its normal value, export price and dumping margin as follows:

**a) Normal Value**

31. M/s Nitriflex produces several grades of NBR including normal NBR in the Bale form. The producer has also substantial domestic sales of the product under consideration in their domestic market covering various grades. However, during the POI only two grades of NBR i.e. N-608 and N-615 B have been exported to India. The exporter has also substantial sale of these two grades on NBR in the domestic market. Therefore, for the purpose of determination of normal value these two grades have been treated as the like products to the product under consideration and the domestic sales price of these two grades only sold in the ordinary course of trade has been examined. The exporter has claimed several adjustments to the gross sales values on account of domestic taxes, inland transportation and insurance, commissions and interest costs on sales made on credit terms. The adjustments have been verified from the record of the exporter and admitted for arriving at the net ex-works Normal Value of the like article in the country of exports. Accordingly, the normal value for this exporter works out as follows:

Grade	Gross Domestic sales price US\$/MT	Adjustments US\$/MT	Normal Value US\$/MT
N-608	*****	*****	*****
N-615 B	*****	*****	*****

**b) Export Price**

32. Verified export sales transactions of the two grades of NBR has been adjusted for taxes and local levies, inland transportation, ocean freight and insurance, commissions and other adjustments as verified. No adjustments towards packing were found necessary as the packaging condition for domestic as well as export sales were found to be same. Accordingly, net ex-works export prices for the two grades worked out as follows:

Grade	CIF export Price US\$/MT	Adjustments US\$/MT	Net export Price US\$/MT
N-608	*****	*****	*****
N-615 B	*****	*****	*****

**c) Dumping Margin**

33. For the purpose of determination of dumping margin the ex-works normal value so determined has been compared with the export price determined at the same level of trade. No other adjustment towards other factors affecting price comparability has been claimed. Accordingly, the dumping margin has been provisionally determined as follows:

Dumping Margin Nitriflex, Brazil					
	NV	EP	DM	Weighted Average DM	DM %
N-608	*****	*****	*****	*****	
N-615 B	*****	*****	*****		27%

### G1.2 M/s Petroflex, Brazil

34. M/s Petroflex, Brazil has also filed a detailed questionnaire response to the investigation and based on their response and deficiencies therein certain additional information were also called for. The questionnaire response of this exporter and the data submitted therein were verified by the Authority. On the basis of the data submitted by this exporter the Authority has worked out its normal value, export price and dumping margin as follows:

#### a) Normal Value

35. M/s Petroflex produces several grades of NBR including normal NBR in the Bale form. The producer has also substantial domestic sales of the product under consideration in their domestic market covering various grades. However, during the POI only two grades of NBR i.e. NBR 3350 and NBR 3960 have been exported to India. Therefore, for the purpose of determination of normal value these grades have been treated as like products to the product under consideration and the domestic sales price of these grades only sold in the ordinary course of trade has been examined.

Grade	Domestic sales price/Normal Value US\$/MT	Adjustments US\$/MT	Normal Value US\$/MT
NBR3350/p	*****	*****	*****
NBR3960	*****	*****	*****

#### b) Export Price:

36. Verified export sales transactions of the respective grades of NBR has been adjusted for taxes and local levies, inland transportation, ocean freight and insurance, commissions and other adjustments as verified. Accordingly, net ex-works export prices for the two grades worked out as follows:

Grade	CIF export Price US\$/MT	Adjustments US\$/MT	Net export Price US\$/MT
NBR3350/p	*****	*****	*****
NBR3960	*****	*****	*****

#### c) Dumping Margin

10.52 GI/05-16

37. For arriving at the dumping margin the export price has been compared with the normal value at the same level of trade, i.e. at ex-works level, during the POI. The exporter has not claimed any adjustments towards the differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sales, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability.

38. Accordingly, the dumping margins for the producers/exporters of the subject goods in the subject countries have been determined as under:-

Dumping Margin Petroflex				Weighted Average DM	DM %
	NV	EP	DM		
NBR3350/p	*****	*****	*****	*****	21%
NBR3960	*****	*****	*****		

### G.1.3 All other exporters from Brazil

39. Normal value for all other exporters from Brazil has been determined provisionally based on the highest transaction value of the cooperative exporters from Brazil as best facts available. Accordingly, the Normal Value for all other exporters from Brazil has been assessed as follows:

Grade	Domestic sales price/Normal Value US\$/MT	Adjustments US\$/MT	Normal Value US\$/MT
All Grades	*****	*****	*****

40. Ex-works Export Price has been determined provisionally on the basis of lowest export price from the cooperative exporter from Brazil after allowing for adjustments towards commissions, inland freight, ocean freight and insurance which is provisionally assessed as US\$ \*\*\*\*\* per MT.

41. Accordingly, dumping margin for all non-cooperative exporters from Brazil has been estimated as US\$\*\*\*\*\*per MT.

42. The dumping margins so assessed are above the de-minimis limits and are considered significant

### G.2 European Union

43. As mentioned earlier, the only responding exporter from the European Union i.e. M/s Lanxess Elastomere has filed only a partial response to the investigation. This exporter was asked to supplement the response with additional information in the form and manner prescribed for determination of

dumping margin, if any. However, the exporter in response to this advice of the Authority has further submitted that there is no necessity for them to enter into and produce detailed data in view of the numerous defects in the application itself, which merits the termination of the investigation *in limine*. They have further submitted that the onus of proving dumping is entirely on the applicants and unless they provide full information on how they have arrived at the fact of there is no cause for them to provide further information without even being given an opportunity to deal with the basic contentions in the application. They have further submitted that the data provided by them is more than sufficient for the proceedings

44. Though the exporter has submitted partial response and certain data related to its exports sales to India, they did not submit any information on their domestic sales and normal value of the product in the home market. The data is incomplete in many respects and the exporter has not provided any data related to the cost of production of the product under consideration. The exporter has also not submitted any information in the form and manner prescribed towards various adjustments to arrive at the normal value and export prices at the ex-works level.

45. The Authority has taken note of the arguments and submissions made by the interested parties.

46. Article 2 of the Agreement on Antidumping provides that

"2.1 For the purpose of this Agreement, a product is to be considered as being dumped, i.e. introduced into the commerce of another country at less than its normal value, if the export price of the product exported from one country to another is less than the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like product when destined for consumption in the exporting country.

2.2 When there are no sales of the like product in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or when, because of the particular market situation or the low volume of the sales in the domestic market of the exporting country, such sales do not permit a proper comparison, the margin of dumping shall be determined by comparison with a comparable price of the like product when exported to an appropriate third country, provided that this price is representative, or with the cost of production in the country of origin plus a reasonable amount for administrative, selling and general costs and for profits.

2.2.1 Sales of the like product in the domestic market of the exporting country or sales to a third country at prices below per unit (fixed and variable) costs of production plus administrative, selling and general costs may be treated as not being in the ordinary course of trade by reason of price and may be disregarded in determining normal value only if the authorities determine that

such sales are made within an extended period of time in substantial quantities and are at prices which do not provide for the recovery of all costs within a reasonable period of time. If prices which are below per unit costs at the time of sale are above weighted average per unit costs for the period of investigation, such prices shall be considered to provide for recovery of costs within a reasonable period of time."

47. The Authority notes that adequate opportunity was provided to the exporters from subject countries, including M/s Lanxess Elastomere from the EU, to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Section cited above. The sole responding exporter from the EU in respect of the above product i.e M/s Lanxess Elastomere has produced only a partial response which does not allow an appropriate determination of their normal value and export price. Therefore, the Authority is constrained to declare this exporter non-cooperative for the purpose of the preliminary determinations.

48. The Authority notes that the partial cooperating exporter from the EU is the major producer and accounts for major portion of the exports to India from the European Union. However, in view of the non-cooperation from the exporters from the European Union the Authority has determined the provisional dumping margin based on facts available in respect of all exporters from the European Union.

**a) Normal value: All exporters from the EU**

49. The export data of the partial cooperating exporter shows export both High and medium NBR to India during the POI though export of High NBR is much less compared to Medium NBR. However, as noted above the exporter has not provided the data on its domestic sales to estimate the dumping margin. Therefore, for the purpose of this preliminary determination the Authority has ignored the incomplete data submitted by this exporter and estimated the Normal Value in the European Union on facts available basis in terms of Rule 6.8. The Rules referred above read with Paragraph 1 of the Annex II to the Agreement provide that if the interested party does not provide the information within a reasonable time the Authority shall be free to make the determination based on the facts available including those contained in the application for initiation of the investigation by the domestic industry. Accordingly normal value for all exporters in the EU has been provisionally estimated as US\$\*\*\*\* Per MT for Medium NBR and US\$\*\*\*\*\* Per MT for High NBR after allowing for level of trade adjustments on facts available basis to bring the normal values to ex-works level.

**b) Export Price**

50. The data submitted by the partially cooperating exporter indicates substantial export of Medium NBR and High NBR during the POI. The exporter has however not provided any information on the level of trade adjustment required to determine the net export price at the ex-factory level. Therefore, the



net export price has been estimated after adjusting the actual export price reported on facts available basis as follows:

Export Price	Average CIF	Adjustment	Net EP
Medium NBR	*****	*****	*****
High NBR	*****	*****	*****

### c) Dumping Margin

51. On the basis of the normal value and export price provisionally estimated as above the dumping margin for all exporters from the European Union has been provisionally determined as follows:

Dumping Margin	NV	EP	DM	Weighted Average	DM %
Medium NBR	*****	*****	*****	*****	26%
High NBR	*****	*****	*****	*****	

### G.3 Mexico

52. The Authority notes that no response has been received from the exporters from Mexico. The Government of Mexico has represented that there has been no export of the subject goods from Mexico. This argument has been addressed by the Authority earlier in this finding. The petitioners have submitted that exports from Mexico are basically off-spec material. Nevertheless they affect the market share and price in the domestic market.

### a) Normal Value

53. The Authority notes that the prices reported in the transaction-wise data of DGCIS in respect of imports from Mexico clearly shows a different price structure, which confirms the claim of the petitioners that these are off-spec material. Accordingly, the Authority has constructed the normal value for Mexico for the off-spec material based on the normal value of the prime materials in Brazil and after necessary adjustments towards level of trade and also adjusting the normal value for the off-spec material by a factor of \*\*\*\*\*%. The normal value so estimated works out to US\$ \*\*\*\*\*per MT

### b) Export Price

54. The net ex-factory export price has been determined from the DGCI&S data after adjusting the same for the ocean freight, insurance and handling, inland freight, local levies etc. on the facts available basis and the same has been provisionally estimated as US\$ \*\*\*\*\*Per MT.

### c) Dumping Margin

105241/05-17

55. On the basis of the provisional estimates of normal value and export price for the off-spec materials from Mexico the dumping margin for all exporters from that country works out to US\$ \*\*\*\*\*Per MT.

#### G.4 Dumping Margins: Summary

Country	Exporter	NV	EP	DM	% DM
		*****	*****	*****	
Brazil	Petroflex	*****	*****	*****	21%
	Nitriflex	*****	*****	*****	27%
	All Others	*****	*****	*****	28%
EU	All Exporters	*****	*****	*****	26%
Mexico	All Exporters	*****	*****	*****	50%

56. The dumping margins so determined provisionally are significant and above de minimis

#### H. INJURY DETERMINATION

57. Having examined and provisionally establishing positive dumping margin for the subject goods exported from the subject countries/territories, the Authority has also examine the injury, if any, suffered by the domestic industry and the causal link between the dumped imports and the injury to the domestic industry. For the purpose of the injury examination the domestic industry constitutes the sloe domestic producer and the petitioner company in the instant case.

##### H.1 Cumulative Assessment of Injury

58. The Authority notes that imports of the subject goods are simultaneously entering the Indian market from several countries including the subject countries/territories for which investigation has been initiated by the Authority. Therefore, the Authority proposes to examine whether the conditions of cumulative assessment of the effect of dumped imports from the subject countries/territories on the domestic industry have been satisfied.

59. The interested parties have argued that the Cumulation is only permissible if the imports from various countries compete with each other and also compete with like products manufactured by the domestic industry. They have argued that in the present instance, the Domestic Industry has simply concluded that since the imports from the subject countries have similar characteristics with goods offered by the domestic industry, conditions of competition are also similar, thereby justifying cumulation. Nowhere in the Petition has the domestic industry fulfilled the second requirement of showing that conditions of competition between the imported products themselves are alike. They have argued that subject exports cannot be said to be competing inter se or with each other for the following reasons:

- (i) That the imported products from subject countries do not have similar price levels for instance, imports from Mexico have been sold at approximately 37% of the price of the Brazilian imports and at 28% of the price of EU imports.
- (ii) That the Petitioner states that consumers are solely guided by the price offered by the supplier but this is not borne out by the PPR summary. If price were the only criteria then imports from Mexico would have garnered a larger market share than the one reflected in the PPR summary.
- (iii) Similarly, price as the basis for competition between the imports is not evident from the Petition. In the period from April 2003 to March 2004, Brazil's market share was 25% of the EU market share in spite of the higher prices of the EU imports. Points (ii) and (iii) illustrate that something other than price determines consumers choices and also reinforces the fact that subject imports do not compete with each other on this basis.
- (iv) Moreover, as per the Petition, the subject goods exported by Mexico are an off spec grade being sold at a very low price which cannot be used interchangeably with the grades exported by Brazil and EU at a much higher price. Imports from Mexico do not bear the same technical specifications as imports from Brazil, which again impairs the cumulative assessment of the effects of the subject imports on the domestic industry.
- (v) Additionally, Domestic Industry acknowledges that substitution among NBRs manufactured by different producers implicates costs to NBR consumers, as stated in the Petition at page 2, *"have to fine tune their production process to suit NBR produced by different producers"*. The existence of such cost constitutes evidence that all grades of NBR are neither necessarily effectively interchangeable nor effectively compete inter-se.

60. They have reiterated that all the grades/ types of subject goods that are imported from the subject countries are not manufactured by the domestic industry. In spite of this, the Petitioner has assessed conditions of competition between the imports and the grades produced by the domestic industry.

61. Therefore, the interested parties have argued that the subject goods being exported by various exporters from other subject countries do not compete inter se and thus the conditions of competition between the subject goods are not alike. This clearly proves that the Petitioner has erred in interpreting and analyzing Article 3.3 of the WTO Anti-Dumping Agreement and the analysis of cumulative assessment of injury should be disregarded forthwith.

62. The Authority has taken note of the arguments by the interested parties on the question of cumulative assessment of injury to the domestic industry on account of simultaneous dumping of the product from various sources. The Annexure II (iii) of the Anti Dumping Rules requires that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti

dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that

- I) the imports from individual countries are above de minimis or cumulatively account for more than 7% of imports;
- II) the dumping margin against individual countries are above 2%; and
- III) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles

63. In this connection the Authority considered the following for examining the issue of cumulative assessment of injury and observed that:

- i) The margins of dumping of the subject goods from each of the subject countries are more than the de minimis limits.
- ii) The volume of imports from each of the subject countries is more than the de minimis limits.
- iii) The Authority notes that various grades of NBR imported into India from the subject countries/territories and other countries under investigation and the NBR produced by the domestic producer are like articles in terms of their technical and commercial substitutability. It is further noted that though the present investigation is restricted to the import of NBR in the bale form and excludes powder and carboxylated NBR. It is also noted that Import of NBR in Powder and carboxylated forms is very negligible. Therefore, the dumped imports from all these sources are liable to be cumulated for injury analysis in terms of Annexure II (iii) of the Anti Dumping Rules.
- iv) Imported products and domestically produced subject goods are interchangeable and are being interchangeably used. Transaction wise information on imports from the subject countries shows that the imports are being made by actual users as well as traders who have purchased the material for reselling. Goods supplied by the countries involved are entering the Indian markets through the similar channels of distributions and directly competing in the Indian market.
- v) Products supplied from the subject countries are being marketed in India during the same period through comparable sales channels and under similar commercial conditions.
- vi) The domestic producer and exporters in the subject countries are selling the product to the same category of consumers.

- vii) Imports from the subject countries are competing amongst themselves as well as with the Indian products and significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market.

64. The arguments of the interested parties about the lack of inter-se competition between the imported products have been examined by the Authority. It is noted that NBR is produced in several grades in various countries but they are basically classified in terms of their AN and BD contents and the mooney viscosity. For different grades of NBR produced in different countries there is always a similar or equivalent grade available in other countries as well as in the domestic market and at individual grade levels they appear to compete with each other in terms of price. The price levels argument raised by the interested parties does not appear to be correct as the prices in the summary data is the average price from the individual countries and depends upon the composition of the various grades in the export basket. Though Mexico's exports are admittedly of off spec material, it does effectively displace the market share of the prime because of its price effect. As far as exports from Brazil and EU are concerned they are clearly in the same price ranges and do compete inter se in the Indian market. The Authority notes the arguments of the domestic industry that its own regular customers have shifted to imports due to price differential of the imported goods.

65. Therefore, the Authority provisionally holds that cumulative assessment of injury is appropriate in this case since the exports of the subject goods from the subject countries/territories were directly competing amongst themselves as well as with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market.

## **H.2 Material Injury**

### **H.2.1 Views of the interested parties**

66. The domestic industry in its submission before the Authority has argued Domestic industry is suffering injury from a number of sources. Exports from Japan, Taiwan, Germany and Korea are already attracting anti dumping duties. Injury to the domestic industry is required to be assessed in view of the fact that the domestic industry has suffered continued injury from dumped imports.

67. They have inter alia argued that though the antidumping duty protection against the above countries has helped them to improve their performance marginally due to dumping from new sources i.e the countries/territories named in this investigation and intensified dumping by the exporters from the certain countries attracting duty they have not been able to benefit much out of it and continue to suffer material injury. They have further submitted that in spite of improvement in its productivity, and volume of output, reduction in cost of production through various cost cutting measures taken they have failed to

realize remunerative prices to recover their cost due to continued dumping from various sources including the subject countries/territories.

68. The exporters and other interested parties in their various submissions have claimed that performance of the domestic industry has improved and the domestic industry does not suffer material injury. For the sake of brevity various arguments raised by the interested parties in their various written submissions have not been repeated in this finding. However, various submissions have been summarized as follows:

- That Apar's performance has been excellent and that there exists no causal link for any injury caused to them. Their financial results show that they have improved their performance tremendously. All economic indicators are extremely positive for them.
- That Apar's Directors' report annexed to their balance sheets of 1998-99 and 1999-2000 itself reported that they are expanding production capacity to 10000 M ton p.a. Apar would not expand production capacity if it was not operating at high level and are not making adequate profits.
- That world over a production unit of NBR with a capacity of less than 15,000 TPA is considered uneconomical and not viable. Apar's production capacity is said to be 4,000 TPA which is too low a capacity to be cost effective and profit worthy.
- That Apar is dependent on others for supply of their raw materials. As the raw material prices are very volatile by nature, they have no control whatsoever over their production cost and have no option but to subject themselves to vagaries of cost escalation and production losses.
- That there is no shrinkage of Apar's production, sale as well as profit. Their growth rate has been 6% to 7% in line with the growth rate of rubber industry. Taking requirements of NBR during the next 5 years. Apar's capacity would not be able to meet total demand of the industry.
- That their production and sales of Acrylonitrile Butadiene Rubber have gone up significantly. As such, imports of NBR from Korea Republic, Germany or from any other country have no adverse impact on their production, sales and profit. As a matter of fact, their sales and profits continue to rise handsomely.
- That Acrylonitrile and Butadiene Monomer are the basic inputs for the manufacture of NBR. Due to sharp decline in prices of these inputs, there has been downtrend in international prices of NBR over the last four years. Hence, decrease in price of NBR imports from Korea Republic and Germany is no exception.
- That the Indian rubber industry has been put at a disadvantage on account of imposition of anti dumping duty on NBR as their finished products costs are much higher as compared to manufacturers in the neighboring countries.

- That the industry's requirement, both quantity-wise and grade-wise, is far higher than the production capabilities of APAR and as such, the imports are inevitable to meet the demand.
- That Nitrile rubber is produced worldwide in many grades numbering over fifty, which the domestic producer has only 4/5 grades to offer to the industry. Therefore, a blanket levy of anti dumping duty on all imported grades, is not proper when 90% of the grades are not produced in the country.
- That the petitioners are the sole producers of this product in India. They produce about 4000 M. tons of NBR p.a. whereas the annual consumption is over 10,000 M tons. It defies all logic that even for the quantities that the petitioners have no capacity to produce; the consuming industry is forced to pay anti dumping duty.
- That Apar's annual accounts are in the form of merged balance sheet and it is very difficult to make out clearly about production, sale and profitability of NBR. All businesses of Apar in other areas are going down and substantial growth has been going on in NBR and HSR areas only. The data about production, sale and prices of Apar is going totally blind. Nothing clear is emerging. The data from first period of investigation till date has been based on their consolidated balance sheet, which contains data on NBR, SBR etc, and they are deliberately doing this to mislead everybody.

#### **H.2.2 Responding Exporters from Brazil and European Union**

69. The cooperating exporters from Brazil in their various submissions have argued that the Petitioner's inefficiency cannot be a ground for initiating anti dumping investigation. The installed capacity of the Petitioner's Plant is 8800 MT per Year, which is insufficient to cater to the demand of the Indian Market. Because of its small scale of production it does not have sustainable economies of scale. They have argued that the limited capacity of the Petitioner, which is the sole domestic producer of the subject good, is completely insufficient to meet the domestic demand. Thus the disparity between demand and supply can only be satisfied by imports. They have submitted that if anti-dumping duties were imposed, the same would cause harm, loss and injury to the final users of the subject goods in India, as it would only increase the cost for the users of the subject goods who purchase the subject goods from the countries, such as Brazil.

70. The exporters have further argued that from a perusal of the material given by the Petitioner, it is apparent that (i) there is an increase in production (ii) increase in sales (iii) increase in volume. The Petitioner has been able to maintain its price for sale in the Indian market & the price of exports has not affected the Petitioner. Therefore an examination of these parameters shows that no injury has been caused whatsoever and none of the parameters in India for injury are satisfied. Further, they have argued that the Petitioner has not

substantiated its bare averment of causal link between the alleged dumping of the subject goods in India by the Respondents during the Period of Investigation and the alleged material injury. It has been submitted that material injury or threat cannot be based on mere allegations, statements or conjecture. Therefore, they have argued that the Petitioner has taken recourse to these proceedings not as a remedial measure but to ward off competition.

### H.3 Examination by the Authority

71. The Authority has taken note of various arguments raised by various parties in their submissions, particularly the state of the condition of the domestic industry and its improvement in performance. The Authority also notes that antidumping duty is in force against Japan, Taiwan, Korea and Germany and reviews are in progress against antidumping duty in force against Korea, Germany and Taiwan. It has been noted that dumping continues from these countries in spite of the duty being in force and issue of continuation and likelihood of continuation of dumping and injury from these sources have been examined by the Authority in the review in progress. The Authority also notes that positive dumping margins have been determined in the instant case from each of the countries/territories named. Therefore, for the purpose of this investigation dumped imports from all sources have been cumulated for the purpose of cumulative analysis of the effects of dumped imports on the domestic industry.

72. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products, with regard to the volume effect of the dumped imports. The authorities are required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the authorities are required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

73. For the purpose of injury analysis the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

74. Since positive dumping margin has been established for the exports from the subject countries, entire exports from those countries has been treated as dumped imports for the purpose of injury analysis and causal links examination.



**(A) VOLUME EFFECT: Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry**

75. The effects of the volume of dumped imports from the subject countries/territories, as well as dumped imports from other countries have been examined as follows:

**i) Import Volumes and share of subject countries:**

76. The domestic industry had pleaded that imports of NBR have been reported under various heads of Customs and segregation of NBR is difficult from the DGCI&S transaction-wise data because of the fact that DGCI&S data does not reflect complete description of the product. Therefore, they have relied upon the import data published in the Plastics and Polymer Review (PPR) for the relevant period. The Authority has examined the transaction level data of DGCI&S and also the import data published by PPR, pruning the DGCI&S data of the unrelated products to the extent possible.

77. However, because of the description and classification problem highlighted above the data from these two sources show substantial differences. Moreover, the DGCI&S data shows much lower imports from Korea compared to the export data provided by the cooperating exporters from that country. It is also noted that PPR does not report import through all ports. Therefore, for the purpose of injury analysis the Authority proposes to adopt the DGCI&S data after adjusting it for the imports from Korea based on export data available with the Authority. Accordingly, the import figures of the product under consideration are as follows:

Country	Quantity in MT			POI
	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04
EU	489.12	435.53	1282.79	1771.17
Brazil	122.04	356.53	321.00	365.17
Mexico	22.00	55.00	104.72	207.15
Subject Countries (EU, Brazil, Mexico)	633.16	847.06	1708.51	2343.49
Trend	100.00	133.78	269.84	370.12
Others With Duty	2671.79	2853.61	3103.78	4157.17
Trend	100.00	110.75	120.46	161.01
Others	0	117.93	216.95	200.02
Trend	0	100.00	183.96	116.02
Total	3213.73	3822.45	5035.12	6700.67
Trend	100.00	118.97	156.69	208.49

Source: DGCI&S

78. The data shows that while total imports have increased by about 108% compared to the base year the imports from the subject countries have increased by 270% during the same period. Rate of increase in growth of imports from the

105241/05- 19

subject countries from 2002-03 to POI is about 50% indicating a significant volume effect in the domestic market. The increase in volume of imports have also been analysed with respect to the growth in demand and market shares.

	2000-01	2001-02	2002-03	POI
<b>Total Domestic Demand</b>	*****	*****	*****	*****
<b>Growth in Demand</b>	100	114	131	159

79. Total demand of the product shows a growth of only 59% over the base year whereas the imports from the subject countries/territories show a growth of over 270% in the same period.

ii) **Demand, Output and Market shares**

a) **Production of the Domestic Industry**

Quantity in MT

<b>Capacity &amp; Production</b>	2000-01	2001-02	2002-03	POI
<b>INSTALLED CAPACITY</b>	6,250	8,350	8,800	8,800
Indexed	100	134	141	141
<b>TOTAL PRODUCTION</b>	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	130	130	149
<b>GROSS PRODUCTION (NBR BALE ONLY)</b>	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	123	121	137
<b>CAPACITY UTILIZATION - %</b>	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	97	92	106

80. The production data of the domestic industry reveals that there has been substantial capacity addition in the year 2001-02 and thereafter, mainly due to de-bottlenecking in the existing capacity. The domestic industry has also improved its production compared to the base year. The capacity utilization has also improved marginally. However, the capacity addition and production is to be examined with reference to the growth in demand in the domestic market and the ability of the domestic industry to sell in the domestic market.

81. It is noticed that the demand for NBR in India has shown considerable growth of about 59%. The domestic industry has submitted that considering sustained positive movement in demand, they had enhanced their capacity by de-bottlenecking the plant capacities incurring an investment of about Rs. \*\*\*\*\* Crores and enhanced its capacity from 6250 MT to 8800 MT. However, they have not been able to increase its production proportionate to increase in capacity as a result of its inability to increase its sales in spite of higher demand. It is also noted that in spite of higher demand the domestic industry still has spare capacity of about 10%, which could not be fully utilized. The domestic

industry has claimed that as a result of the adverse NBR operations, the plant has been utilized for production of non-NBR products in order to recover part of the fixed overhead costs.

**b) Sales of Domestic Industry**

Quantity in MT

Particulars	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04 (POI)
Opening Stock	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	42	145	136
Production	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	123	121	149
Domestic sales	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	114	118	133
Export sales	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	136	138	179
Captive Consumption	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	80	98	101
Closing Stock	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	341	315	354

82. The data above shows that though the production increased by about 49% compared to the base year and 18% compared to the previous year, the domestic sales has increased by 33% and 15% during the corresponding years. The major increase in the sales is in the export segment though the export volume is low. The data also shows substantial rise in inventory as the closing stocks have increased by 254%.

**b) Demand and Market Share**

Particulars	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04
Domestic production	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	130	130	149
Import from Subject Countries	633.16	847.06	1708.51	2343.49
Indexed	100	133.78	269.84	370.12
Import from Other Countries	2580.57	2975.39	3326.62	4357.19
Indexed	100.00	115.30	128.91	168.85
Total Imports	3213.73	3822.45	5035.12	6700.67
Trend	100	126	166	209
Total Domestic Sales	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	114	118	133
Captive Consumption	*****	*****	*****	*****
Total Domestic Demand	*****	*****	*****	*****
Trend	100	114	131	159

Share in Demand				
Domestic Industry	54.38%	54.76%	48.97%	45.36%
Subject Countries	7.52%	8.86%	15.43%	17.45%
Others	30.64%	31.10%	30.05%	32.45%
Captive Consumption	7.45%	5.28%	5.55%	4.74%
Total share of imports in Demand	38.16%	39.96%	45.48%	49.90%

83. Total domestic demand of the product under consideration, has increased by about 59% from the base year but the share of the domestic industry in the total demand has decreased from 55% to 45% during the same period. However, the share of total imports as well as share of the dumped imports from the subject countries has increased substantially from 7% to 17%. In spite of increase in production and sales by the domestic industry it has lost substantial market share whereas the shares of total imports and dumped imports have increased by over 10%. This provisional examination indicates that the volume of dumped imports from the subject countries/territories have significantly increased in both, absolute terms and in relation to the growth of total demand. The dumped imports have therefore, significantly affected the market share of the domestic industry.

#### (B) Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

84. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries/territories has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry (worked out after normating the costing information of the Domestic Industry) have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

##### (i) Price undercutting and underselling effects

Price Undercutting and Underselling					
Particulars		2000-01	2001-02	2002-03	2003-04
Cost of Production	Rs./MT	*****	*****	*****	*****
Trend	Indexed	100	82.06	90.44	89.91
Selling Price	Rs./MT	*****	*****	*****	*****
Trend	Indexed	100	99	92	96
Landed value					
EU	Rs/MT	85417.73	95262.55	80768.24	77132.14
Brazil	Rs/MT	62394.59	74330.72	70184.28	73307.80
Mexico	Rs/MT	32257.42	47868.34	34578.20	46884.19
Subject Countries	Rs/MT	79132.98	83374.90	75948.56	73862.44

(Cumulated)					
All Dumped imports	Rs/MT	78178.42	80337.72	77108.14	74016.20
(Cumulated)					
<b>Price Undercutting</b>					
EU	Rs/MT	*****	*****	*****	0-10%
Brazil	Rs/MT	*****	*****	*****	5-15%
Mexico	Rs/MT	*****	*****	*****	50-75%
Subject Countries	Rs/MT	*****	*****	*****	5-15%
(Cumulated)		*****	*****	*****	
All Dumped imports	Rs/MT	*****	*****	*****	0-10%
(Cumulated)					
<b>NIP</b>	Rs/MT				
<b>Price Underselling</b>					
EU	Rs/MT				0-10%
Brazil	Rs/MT				5-15%
Mexico	Rs/MT				50-80%
Subject Countries	Rs/MT				5-15%
(Cumulated)					
All Dumped imports	Rs/MT				5-15%
(Cumulated)					

85. The selling price (net sales realization) of the domestic industry shows significant decline though the cost of production after showing a significant decline in 2001-02, has increased substantially. The domestic industry has not been able to raise its prices to remunerative levels to realize its full cost of production.

86. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject countries/territories over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty to the value reported in the DGCIS data of import prices from the subject country.

87. In determining the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated.

88. For the purpose of price underselling determination the weighted average landed prices of imports from subject countries/territories have been compared with the Non-injurious selling price of the domestic industry determined for the POI and cost of production for the remaining years.

89. The Authority notes that Imports from the subject countries/territories have been significantly below the net sales realization of the domestic industry as well

1052 4F/05-20

as the non-injurious price estimated for the domestic industry thus resulting in significant price undercutting and underselling.

**(ii) Price suppression and depression effects of the dumped imports:**

90. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject countries.

91. The trend of cost of production of the subject goods shows significant increase after showing substantial drop in 2001-02. The increase in cost of production is significant due to increase in the cost of raw materials, which constitute major portion of the cost of production. However, the trend of net sales realization of the domestic industry shows significant decline between 2000-01 and 2002-03 and a marginal rise during the POI but still significantly below the cost of production indicating the inability of the domestic industry to raise its prices to recover full cost due to price effects of the dumped imports from the subject countries/territories. In fact it appears that the domestic industry has been forced to benchmark its prices with the landed value from the dumped sources to retain its market share. Therefore, the Authority holds that dumped imports from the subject countries/territories have significant price suppression and depression effects on the prices of the domestic industry.

**H.4 Examination of other Injury Parameters**

92. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analysed hereunder as follows:

**i) Productivity**

Particulars	Unit	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04 (POI)
Productivity	Per Employee	*****	*****	*****	*****
Indexed		100.00	124.18	124.35	145.99
Productivity	MT/Day	*****	*****	*****	*****
Indexed		100	123.21	120.54	136.89
Productivity per Day - (Considering 360 days of production in a year)					

93. Productivity of the domestic industry has been measured in terms of its labour productivity of the output and daily output and it has been noticed that the productivity has improved substantially. It appears that the industry has attempted to improve its productivity to cut cost and remain competitive. However, improved productivity has not resulted in commensurate profitability because of low realization of its sales.

## ii) Profits and actual and potential effects on the cash flow

94. Total revenue and cash flow of the domestic industry from its domestic operations shows marginal improvement due to increase in domestic production and sales. However, the industry continues to suffer loss during the investigation period due to declining per unit realization except for the year 2001-02. The data also shows in spite of improvement in performance in several parameters industry has not been able to realize a fair price to recover its cost due to prevailing price level of dumped imports.

Particulars	Unit	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04
<b>Profits</b>					
Cost of Sales	Rs./MT	*****	*****	*****	*****
Indexed		100	85.44	91.05	92.09
Selling Price	Rs./MT	*****	*****	*****	*****
Indexed		100	98.85	92.47	95.59
Profit/Loss	Rs./ MT	(*****)	1422.42	(*****)	(*****)
Indexed		(100)	19.03	(48.03)	(13.49)
Total Profit/Loss on Domestic Sales	Rs. Lacs	(*****)	*****	(*****)	(*****)
Indexed		(100)	55.46	(84.58)	(58.05)
Depreciation	Rs. Lacs	*****	*****	*****	*****
Indexed		100	100.09	96.49	98.38
Cash Profit/Loss from NBR	Rs. Lacs	(*****)	*****	(*****)	*****
Indexed		(100)	325.69	(63.89)	(12.01)

## iii) Employment and wages

95. The employment level has declined marginally. But the expenses on account of salary and wages have increased by about 20%. However, increase in the expenses towards salary and wage is in tandem with the increase in production during the comparable periods.

Particulars	Unit	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04
<b>Employment</b>					
No. of Employee	Nos.	*****	*****	*****	*****
Trend	Indexed	100	104.51	104.51	102.26
Wages	Rs Lacs	*****	*****	*****	*****
Trend	Indexed	100	107.94	113.79	120.15
Wage per Employee	Rs. Lacs	*****	*****	*****	*****
Trend	Indexed	100	103.28	108.88	117.50

**iv) Return on investment and ability to raise capital**

96. The financial performance of the domestic industry has also been analysed in terms of its cash profits and return on investment. The interested parties have argued that the overall performance of the company has improved. However, the Authority notes that though the overall performance of the Company is good its profit from its NBR operation has shown deteriorating performance after showing a profit in 2001-02. The return on capital employed by the domestic industry shows deterioration compared to the base year and previous years.

Rs in Lacs				
Particulars	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04 POI
Capital Employed - NFA + Working Capital	*****	*****	*****	*****
Indexed	100.00	96.33	101.84	100.52
Profit	(*****)	*****	(*****)	(*****)
Indexed	(100.00)	55.46	(84.58)	(58.05)
Interest	*****	*****	*****	*****
Indexed	100.00	120.79	106.48	75.78
PBIT	*****	*****	*****	*****
Indexed	100.00	445.27	146.79	108.42
Return on Capital Employed - NFA + Working Capital	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	462.23	144.14	107.86

**v) Investment**

97. The Authority notes that domestic industry raised its capacity from 6250 MT to 8800 MT by de-bottlenecking the existing capacity with a capital investment of about 14 Crores. There has been no further fresh investment by the domestic industry during the investigation period and there are no plans for further investment as submitted by them.

**vi) Magnitude of Dumping**

98. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can injure the domestic industry shows that the dumping margins determined against the countries/territories named, for the POI, are significant.

**vii) Factors affecting prices**

99. Change in cost structure if any, competition in the domestic industry and prices of competing substitutes have been examined for analyzing the factors other than dumped imports that might be affecting the prices in the domestic market. The Authority notes that Landed values of imported material from subject



countries/territories are significantly below the selling price of the domestic industry, causing severe price undercutting in the Indian market. The Authority also notes that there is no viable substitute to this product and M/s Apar Industry is the sole producer of the subject good in India and therefore, domestic competition does not affect the prices.

100. The Authority also notes that dumped imports from several sources competing with each other and with the domestic products are simultaneously affecting the domestic market for which cumulative injury analysis has been done. It is also noted that there is a healthy demand of the product in the domestic market.

101. Acrylonitrile (ACN) and Butadiene (BD) are two principal raw materials for production of NBR. Prices of both these monomers have increased world wide. This increase in the prices of major raw materials is reflected in increase in the cost of production for the domestic industry over the injury period. However, the selling prices of the domestic industry declined by over the injury period.

#### viii) Inventories

Particulars	Unit	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04
Inventories - at the end of period	MT	*****	*****	*****	*****
Indexed		100	341	315	213
Inventories as % of production		*****%	*****%	*****%	*****%
Trend	Indexed	100	278.02	263.87	259.33

102. The above data indicates a marginal increase in the inventory in absolute term though as a percentage of production it shows marginal decline compared to the previous year. But compared to the base year both show significant increase indicating substantial inventory built up.

#### H.5 Conclusion on injury parameters

103. The examination of the above economic parameters indicates that though it might appear that the domestic industry has improved its performance in several parameters including output and sale volumes, this has not translated into improvement in its profitability and the industry still suffers loss in its domestic operation. Therefore, the volume and price effect of dumped imports appear to have significant impact on the prices of the domestic industry forcing the prices below the cost of production and consequent loss to the domestic industry in its NBR operation.

1052 GT/05-21

## **H.6 Other Known factors and Causal Link**

104. The Interested parties have argued that the injury if any caused to the domestic industry is due to its own inefficiency and uneconomical plant size and cannot be attributed to the dumped imports from the subject countries/territories.

105. The foregoing analysis indicates that the volume of dumped imports from the subject countries have increased substantially both in absolute terms as well as in relation to the share in demand. The growth of imports from these countries/territories also show a much faster growth compared to the rest and the dumped imports from these sources have significantly displaced the market share of the domestic industry. The landed value of dumped imports from the subject countries also show a significant price undercutting and underselling on the prices of the domestic industry compelling the domestic industry to keep its prices low in order to retain its market share and volume of sales in the domestic market. It also shows that improvement in volume of production and sales has not translated into profit for the domestic industry due to the pulling pressure of the prices of the dumped imports establishing a clear causal link between the dumped imports and the injury suffered due to volume and price effects.

106. However, in the light of these arguments the Authority has examined the issue of causal link and other non-attribution factors as laid down in the Rules to segregate injury if any caused by other factors. In this regard the following indicative factors as laid down in the Rules have been examined.

### **i) Volume and prices of imports from other sources**

107. The Authority notes that during the POI, other than the subject countries/territories, imports have taken place from several other countries including Japan, Korea, Germany and Chinese Taipei against which antidumping duty is in force and this volume is also substantial. It is also noted that in separate investigation the Authority has concluded continuation of dumping and injury from Korea and Germany. Therefore, imports from all dumped sources have been examined cumulatively to analyse the effect of dumped imports on the domestic industry. The Authority also notes that the antidumping duty paid landed value of goods imported from the sources already attracting duty are above the landed value of the goods imported from the countries involved in the current investigation. Therefore, the injury caused by the imports from other sources has not been attributed to the dumped imports from the subject countries/territories.

### **ii) Contraction in demand and / or change in pattern of consumption**

108. Total domestic demand of the product under consideration, has shown a very significant increase by about 59% during the period of investigation compared to the base year. There is no significant change in consumption

pattern of the product in the domestic market, which can be attributed to the injury to the domestic industry.

**iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers**

109. The interested parties have argued that the sole domestic producer is trying to create a monopoly market by blocking competition through imposition of antidumping duty. The Authority notes that the subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. M/s Apar Industries Ltd. is the sole producer of the subject goods in the country. There is no restriction on fair trade in the country and imports of the subject goods take place from several countries and compete with the domestic producer. However, major portion of the imports from several sources have either been determined as dumped imports or are under investigation for allegation of dumping. Therefore, the Authority notes that the domestic producer is facing unfair competition from several countries including the subject countries/territories and the current injury to the domestic industry cannot therefore, be attributed to trade restrictive practices or fair competition between foreign and domestic producers.

**iv) Development of technology and export performance**

110. The interested parties have argued that the inefficient plant size of the domestic industry is one of the causes of injury suffered by it. The production facilities of the cooperating foreign producer in the subject countries were also verified and it was seen that the producers apply similar production technology. In fact most of the producers in the world use the technology developed by technology leaders like Goodyear. The capacities and volume of production of these producers were also verified. The capacities of these producers, except the Korean producer, are in not very different from the capacity of the domestic producer in India. Therefore, the argument of inefficient capacity or development of technology or inefficient method of production of the domestic industry cannot be treated as a cause of injury to the domestic industry.

111. The Authority notes that the domestic industry has very small export turnover of the product under consideration though it shows steady growth during the investigation period. Therefore, export performance of the domestic industry is a very insignificant and does not affect the domestic industry's performance very significantly. Therefore, export performance cannot be attributed as a reason of injury suffered by the domestic industry.

**v) Productivity of the Domestic Industry**

112. Productivity of the domestic industry in terms of labour output and daily output has shown substantial improvement. Therefore, productivity is not a factor

which can be attributed to the injury of the domestic industry. In fact domestic industry has tried to reduce its losses in its domestic operation through improvement in productivity.

113. No other factor which could have possibly caused injury to the domestic industry has been brought to the knowledge of Authority.

114. On the basis of the above examination it is concluded that the subject goods exported from the subject countries/territories are at prices far below their normal value, Non Injurious Price of the domestic industry and the average sales realization of the subject goods of the petitioner, and the dumping, injury and causal links has been clearly established

#### **I Magnitude of Injury and injury margin**

115. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exports from the subject countries and the injury margins have been worked out as follows:

##### **Injury margin Calculations**

<b>Company</b>	<b>Injury Margin</b>
Petroflex	*****
Nitriflex	*****
Others Brazil	*****
EU	*****
Mexico	*****

#### **J. Conclusions**

116. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submission of interested parties or otherwise as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the extent of dumping and injury the authority concludes that:

- i) The dumping margins of the subject goods imported from the subject countries/territories are substantial and above de minimis;
- ii) The domestic industry suffers material injury in terms of loss of market share, low capacity utilization and profitability;
- iii) And the injury has been caused to the domestic industry both by volume and price effect of dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries/territories.

## **K. Indian industry's interest & other issues**

117. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

## **L. Recommendations**

118. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject countries, as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation.

119. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries/territories in the form and manner described hereunder.

120. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in Col 9 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

## Duty Table

Sl. No	Sub Heading or Tariff Item	Description of Goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measure	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)		
1	4002.59 or Any other Head of Customs	Acrylonitrile Butadiene Rubber (NBR) (excluding Powder and carboxylated NBR)	In Bale form	Brazil	Brazil	M/s Petroflex, Brazil	Any	136.47	MT	US\$
2	-Do-	-Do-	-Do-	Brazil	Brazil	M/s Nitroflex, Brazil	Any	215.90	MT	US\$
3	-Do-	-Do-	-Do-	Brazil	Brazil	Any producer, other than M/s Petroflex and M/s Nirtiflex	Any	220.73	MT	US\$
4	-Do-	-Do-	-Do-	Brazil	Any Other than Brazil	Any producer, other than M/s Petroflex and M/s Nirtiflex	Any	220.73	MT	US\$
5	-Do-	-Do-	-Do-	Any Other than Brazil	Brazil	Any	Any	220.73	MT	US\$
6	-Do-	-Do-	-Do-	EU (Except Germany)	EU (Except Germany)	Any	Any	164.57	MT	US\$
7	-Do-	-Do-	-Do-	EU (Except Germany)	Any Other than EU except Germany	Any	Any	164.57	MT	US\$
8	-Do-	-Do-	-Do-	Any Other than EU Except Germany	EU (Except Germany)	Any	Any	164.57	MT	US\$
9	-Do-	-Do-	-Do-	Mexico	Mexico	Any	Any	304.37	MT	US\$
10	-Do-	-Do-	-Do-	Mexico	Any Other than Mexico	Any	Any	304.37	MT	US\$
11	-Do-	-Do-	-Do-	Any Other than Mexico	Mexico	Any	Any	304.37	MT	US\$

## M. Further Procedures

121. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of

the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;

- (c) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (d) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

CHRISTYL L. FERNANDEZ, Designated Authority